कोलफील्ड मिरर

CFM 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

शुभ प्रभात JUPITER FOUNDATION

कोलकाता | रविवार 22 दिसम्बर 2024 | वर्ष– 7 | अंक– 1237 | पृष्ठ– 6 | RNI (TA)- 2022027633

रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए बंगाल में जमीन अधिग्रहण एक बड़ी बाधा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (कोलकाता): रेल मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि बंगाल में कई रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में महत्वपूर्ण देरी हुई है, जिसका मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में चुनौतियां हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि बंगाल में रेलवे परियोजनाओं के लिए बजट में पर्याप्त वृद्धि हुई है और आवंटन 2009-14 के दौरान 4,380 करोड़ रुपये से तीन गुना बढ़कर 2024-25 में 13,941 करोड़ रुपये हो गया है। इसके बावजूद परियोजनाओं में देरी हो रही है।

बयान के मुताबिक एक अप्रैल 2024 तक बंगाल में 43 रेलवे परियोजनाएं चालू थीं, जिनकी कुल लंबाई 4,479 किलोमीटर है और लागत 60,168 करोड़ रुपये है। ये परियोजनाएं पूरी या आंशिक रूप से बंगाल में हैं और पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के तहत आती हैं। इनमें पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे का मुख्यालय कोलकाता में ही है।

इन परियोजनाओं में नई लाइन बिछाने और आधुनिकीकरण का काम शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से 1,655 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है और इस पर मार्च 2024 तक 20,434 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय हुआ।

मंत्रालय ने कहा कि बंगाल में जमीन अधिग्रहण एक बड़ी बाधा है, क्योंकि कुल 3,040 हेक्टेयर की आवश्यकता में केवल 640 हेक्टेयर (21 प्रतिशत) का ही अधिग्रहण किया गया है। रेलवे राज्य सरकारों के माध्यम से अपनी परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण करता है। बता दें इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी कई बार ममता सरकार पर बंगाल में रेलवे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में असहयोग का आरोप लगा चुके हैं।

स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए ममता सरकार की महत्वपूर्ण पहल

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (कोलकाता): पूरे बंगाल में स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए ममता बनर्जी की सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। 10 करोड़ और आवंटित किये गये हैं. यह आवंटन आनंदधारा योजना के तहत किया गया है. इस निर्णय के फलस्वरूप 12 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों और इससे जुड़े 1 करोड़ 21 लाख परिवारों को लाभ होगा।

संयोग से, राज्य सरकार ने पहले भी स्वयं सहायता समूहों के लिए अनुदान बढ़ाया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 से इस अनुदान की राशि 500 करोड़ से दोगुनी कर 1000 करोड़ कर दी गई है. आत्मनिर्भर समूहों के मामले में बंगाल इस समय देश में शीर्ष पर है। राज्य में स्व-सहायता समूहों की कुल संख्या 12 लाख 1 हजार है। इसमें करीब 1.21 करोड़ परिवार शामिल हैं. कांथा सिलाई, डोकरा, घर का बना चॉकलेट, मैट मैट जैसे उत्पादों से लेकर खाद्य प्रसंस्करण, मिष्टीहब तक, एसएचजी के सदस्य कई गतिविधियों में शामिल हैं।

राज्य ने स्वयं सहायता समूहों के विस्तार के लिए कई जिला-आधारित मेले भी शुरू किए हैं। दार्जिलिंग में इस साल से कोलकाता की शैली में सरस मेला शुरू हो गया है. प्रशासन की गणना के मुताबिक चालू वर्ष में 21 मेलों से स्वयं सहायता समूहों की कुल बिक्री 12.21 करोड़ रुपये है. अगले साल की शुरुआत में 10 जनवरी से देशबंधु पार्क और 24 जनवरी से पार्क सर्कस मैदान में दो मेले भी लगेंगे. राज्य के स्वयं सहायता समूहों की लड़कियाँ राज्य के बाहर कई राष्ट्रीय स्तर के मेलों में भी भाग ले चुकी हैं।

इनमें गुरूग्राम, तेलंगाना, राजस्थान, झारखण्ड, बिहार, दिल्ली उल्लेखनीय हैं। बिक्री को बढ़ावा देने के लिए राज्य ने रणनीतिक रूप से ई-बिक्री केंद्र भी लॉन्च किए हैं। राज्य हर साल एक करोड़ से अधिक छात्रों को स्कूल यूनिफॉर्म वितरित करता है। इस समूह की महिलाएं उन यूनिफॉर्म की सिलाई भी करती हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमार्ग मंत्री ने डब्ल्यूसीएल सीएमडी को दिया अवार्ड

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (पांडवेश्वर): इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैटेरियल्स मैनेजमेंट आईआईएमएम नागपुर शाखा द्वारा आयोजित सेंट्रल रीजनल कांफ्रेंस - 2024 का उद्घाटन सत्र नागपुर में सम्पन्न हुआ, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिनजी गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, कार्यक्रम के दौरान डब्ल्यूसीएल के सीएमडी निदेशक जय प्रकाश द्विवेदी को उनके कुशल नेतृत्व में डब्ल्यूसीएल द्वारा उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने तथा कंपनी को दूरदर्शी नेतृत्व। प्रदान करने के लिए, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा आउट स्टैंडिंग सीईओ ऑफ"द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया, मंत्री महोदय ने डब्ल्यूसीएल के सीएमडी और उनकी टीम को देश को ऊर्जा उपलब्ध कराने में भागदारी निभाने के लिए बधाई भी दिया, इस अवसर पर टाटा हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी कंपनी लि. के प्रबंध निदेशक संदीप सिंह, आईएमटी नागपुर के वरिष्ठ डीन डॉ. राजेंद्र पटनायक, आईआईएमएम के अध्यक्ष डॉ. वाई. वेंकट रमना तथा अन्य विशिष्ठ अतिथि गण प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

हत्या के आरोप में पिता और पुत्र को आजीवन कारावास की सजा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (पुरुलिया): एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में पिता और पुत्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। पुरुलिया जिला न्यायालय फास्ट ट्रैक कोर्ट की न्यायाधीश शर्मिष्ठा घोष ने यह सजा सुनाई।

पुरुलिया जिला न्यायालय के लोक अभियोजक बिश्वरूप पट्टनायक ने बताया कि बीते 23 अक्टूबर 2020 की सुबह राजेश कुमार कोटशिला थाना क्षेत्र के माझी डी गांव स्थित तालाब के पास प्रातः क्रिया के लिए गये थे, जबकि बीरेन कुमार और उनके दो बेटे शिवराम कुमार और परमेश्वर कुमार (नाबालिग) वल्लम, फालसा से राजेश कुमार पर हमला किया।

राजेश कुमार तालाब के पानी में गिर गया और उन्हें फालसा और वल्लम से गंभीर चोटें आईं। राजेश कुमार के परिजन उन्हें इलाज के लिए पहले कोटशिला ग्रामीण अस्पताल ले गये और वहां से झारखंड के एक अस्पताल में ले गए जहां उनकी मौत हो गई। राजेश कुमार के पिता महादेव कुमार की शिकायत के आधार पर कोटशिला थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

बीरेन कुमार और शिवराम कुमार पर पुरुलिया जिला अदालत में धारा 341/ 302/ 034 के तहत मामला चला। परमेश्वर कुमार पर मामला जुवेनाइल कोर्ट में है। पिछले शुक्रवार को पुरुलिया जिला अदालत में फास्ट ट्रक कोर्ट की न्यायाधीश शर्मिष्ठा घोष ने बीरेन कुमार और शिवराम कुमार को दोषी पाया। शनिवार को पिता बीरेन कुमार और पुत्र शिवराम कुमार को आजीवन कारावास की सजा का आदेश दिया गया।

क्रिसमस की खुशियों से जगमगाया जंगल महल

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (खड़गपुर): हवा के निम्न दबाव के फ्लस्वरूप हो रही हल्की बारिश जहां गुलाबी ठंड की रंगत को और गाढ़ा कर रही है, वही क्रिसमस की खुशियों से समूचा जंगल महल जगमगाता नजर आ रहा है। गिरजाघरों में रौनक बढ़ती जा रही है। समाज का हर वर्ग इस खुशी में शामिल होकर नए साल का स्वागत करने को आतुर नजर आ रहा है। यही वजह है कि क्रिसमस से पहले ही क्रिसमस कार्निवल व अन्य आयोजनों की झड़ी लग चुकी है।

इस क्रम में सेक्रेड हार्ट चर्च, सिक्स्थ एवेन्यू, खड़गपुर में क्रिसमस कार्निवल का भव्य उद्घाटन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा वर्चुअली किया गया। उद्घाटन समारोह में पश्चिम मेदिनीपुर जिले के जिला मजिस्ट्रेट खुर्शीद अली कादरी, पुलिस अधीक्षक धृतिमान

सरकार तथा खड़गपुर के एसडीओ योगेश पाटिल राव, मेदिनीपुर - खड़गपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रदीप सरकार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि वर्षान्त में क्रिसमस मना कर हम बीते वर्ष की विदाई और नए साल का स्वागत करते हैं। देश- प्रदेश के साथ विश्व इसी प्रकार हर्षोल्लास से जगमग रहे, यही कामना है। जिले के अन्यान्य हिस्सों में भी क्रिसमस उत्सव का आयोजन लगातार किया जा रहा है।

सिरकाबाद ग्राम पंचायत पर फिर से तृणमूल कांग्रेस का कब्जा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (पुरुलिया): तृणमूल कांग्रेस ने पंचायत को अपने हाथ से जाने नहीं दिया। सिरकाबाद ग्राम पंचायत पर फिर से तृणमूल कांग्रेस का कब्जा हो गया है। संतोष रजवार को सिरकाबाद ग्राम पंचायत का प्रधान नियुक्त किया गया है।

सनद रहे कि सिरकाबाद ग्राम पंचायत का प्रधान मंजुरुल अंसारी एक शिक्षक रहें हैं। इस बीच उन्हें शिक्षक की नौकरी में प्रमोशन मिलने के कारण उन्होंने अपना त्यागपत्र बीडीओ को सौंपा था। इस्तीफा स्वीकार होने के उपरांत शनिवार को अविश्वास मत प्रस्ताव में 22 सदस्यों में से तृणमूल कांग्रेस के 8, भाजपा के 3, निर्दल के 3, सीपीएम के 1, फॉरवर्ड ब्लॉक 1 कांग्रेस को 2 सीटों का साथ मिला।

इस प्रकार शनिवार को तृणमूल ने कुल अठारह सदस्यों को लेकर बोर्ड गठन किया। इस दिन सुबह से ही ग्राम पंचायत परिसर में पुलिस की चौकस व्यवस्था रही। आरसा थाने के प्रभारी सुप्रतीक मंडल के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में पुलिस के जवान मौजूद थे। शनिवार को संतोष रजवार को प्रधान की जिम्मेवारी दी गयी है। प्रधान बनने के बाद कार्यकर्ता समर्थकों में खुशी देखी गई। इस तरह तृणमूल ने अपना कब्जा कायम रखा।

पुरुलिया जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की नई जिला कमेटी का गठन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (पुरुलिया): जिले के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की नई जिला कमेटी का गठन करते हुए नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्षों को प्रमाण पत्र एवं मिठाई प्रदान किया गया। शनिवार को तृणमूल कांग्रेस कार्यालय ब्लॉक नंबर 1 रघुनाथपुर में एक समारोह के माध्यम से प्रमाण पत्र सौंपा गया और उपस्थित सभी लोगों का मुंह मीठा कराया गया।

पुरुलिया जिला अल्पसंख्यक सेल के जिला अध्यक्ष सद्दाम अंसारी ने कल पुरुलिया जिला तृणमूल कांग्रेस कार्यालय में जिले के वरिष्ठ तृणमूल कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में नई जिला कमेटी के नाम की घोषणा की।

2026 के विधानसभा चुनाव पर विहंगम दृष्टि डालते हुए सत्तारूढ़ तृणमूल की पुरुलिया में अल्पसंख्यक मतदाताओं पर खास नजर है। पुरुलिया जिला तृणमूल कांग्रेस के अल्पसंख्यक सेल को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को नई कमेटी की घोषणा की गई। इस दिन अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सद्दाम हुसैन अंसारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विभिन्न प्रखंड एवं नगर स्तरीय कमेटियों की घोषणा की। नई इस सूची में कुछ नए और कुछ पुराने सदस्य शामिल हैं। अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में पार्टी की एकता बनाए रखने के लिए कई उपाध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई है।

उन्होंने शनिवार को कहा कि कल नई कमेटी में जिन सदस्यों को रखा गया। उन्होंने कहा कि हमने इस समिति का गठन ममता बनर्जी के हाथों को मजबूत करने के उद्देश्य से किया है। अल्पसंख्यक वर्ग की ओर से किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होगी। हम अपनी जी जान से टीम को मजबूत बनाएंगे।

बी प्राक ने ‘कोलकाता ओडिसी’ में दर्शकों के बीच दिल को छू लेने वाला परफॉर्मेंस देकर कोलकाता में मचाया धमाल

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (कोलकाता): बिविता इवेंट्स एंड कंपनी द्वारा पीसी चंद्रा गार्डन (गोल्ड एकर्स) में 20 दिसंबर 2024 को आयोजित 'कोलकाता ओडिसी' में 'बी प्राक' ने बेहद आकर्षक और धमाकेदार परफॉर्मेंस देकर दर्शकों को खूब आकर्षित किया। इस धमाकेदार आयोजन में संगीत और दृश्यों के मिश्रण ने कोलकाता की भावना को जीवंत कर दिया।

शहर की सांस्कृतिक समृद्धि का जश्न मनाने वाले इस भव्य आयोजन में संगीत, लुभावने दृश्यों और मनमोहक ध्वनि परिदृश्यों का अविस्मरणीय मिश्रण पेश किया गया, जिसने संगीत कार्यक्रम के अनुभव को बिल्कुल नए स्तर पर पहुंचा दिया। कोलकाता ओडिसी सिर्फ़ एक प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि कोलकाता की जीवंत भावना को श्रद्धांजलि थी, जिसमें

रोशनी और ध्वनि के शानदार शो में संगीत और कला के प्रति शहर के प्यार को एक साथ लाया गया।

भारतीय संगीत उद्योग में सबसे प्रिय आवाज़ों में से एक 'बी प्राक' ने अपने प्रतिष्ठित ट्रैक और अपने नवीनतम हिट के बेहतरीन मिश्रण से मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस रात में 'मैं किसी और का हूँ फिलहाल, रब भी खेल है खेले रोज लगावे मेले और हाल ही में चार्टबस्टर फिल्म एनिमल के गाने सारी दुनिया जला देंगे जैसे गीतों की दिल को छू लेने वाली प्रस्तुतियाँ दर्शकों में बीच पेश की गई, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हज़ारों प्रशंसकों ने इन संगीत के हर नोट के साथ गाते हुए और लाइव संगीत के जादू का जश्न मनाते हुए जोश से भरा माहौल बना दिया।

बिविता इवेंट्स एंड कंपनी के आयोजक और एमडी प्रणव जायसवाल ने कहा, मैं यहां मौजूद दर्शकों से मिली दिल को छू लेनेवाली प्रतिक्रिया से अभिभूत हूं। कोलकाता ओडिसी हमारे लिए एक सपने के सच होने जैसा था। इस आयोजन में शामिल दर्शकों की अविश्वसनीय ऊर्जा, 'बी प्राक' के शक्तिशाली प्रदर्शन और मनमोहक दृश्यों के साथ मिलकर इस रात को एक यादगार रात बना दिया। हम उन सभी के बहुत आभारी हैं, जो हमारे साथ इस मौके पर शामिल हुए। हमें एक ऐसा अनुभव बनाने पर बेहद गर्व है, जो वास्तव में संगीत और एकजुटता के जादू का जश्न मनाता है।

कोलकाता ओडिसी ने न केवल बी प्राक की असाधारण प्रतिभा को प्रदर्शित किया, बल्कि लोगों को एक साथ लाने, अविस्मरणीय यादें बनाने और कोलकाता की समृद्ध विरासत का सम्मान करने के लिए संगीत की शक्ति का प्रमाण भी दिया।

श्याम सेल कारखाना पर ग्रामीणों ने लगाया वादाखिलाफी का आरोप

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (जामुड़िया): हीजलगोड़ा ग्राम पंचायत अंतर्गत बाडूल गांव के ग्रामीणों द्वारा अजय नदी से श्याम सेल कारखाना जा रहे पाइप लाइन के मरम्मत का काम शनिवार को बंद कर दिया गया। ग्रामीणों द्वारा आरोप लगाया गया कि जामुड़िया औद्योगिक क्षेत्र के श्याम सेल कारखाना द्वारा दो वर्ष पहले पाइप लाइन बिछाने के दौरान नौकरी देने का वादा कर वादाखिलाफी किया जा रहा है।

इस विषय में ग्रामीण अमर मंडल ने कहा कि श्याम सेल कारखाना द्वारा बाडूल गांव होकर अजय नदी से कारखाना तक पाइप लाइन बिछाने के दौरान 32 लोगों को काम देने की बात कही गई थी, लेकिन 19 लोगों को काम दिया गया जबकि 14 लोग अभी भी काम से वंचित है। उन्होंने कहा कि पाइप लाइन में खराबी आने पर कारखाना प्रबंधन द्वारा मरम्मत कार्य कराया जा रहा था जिसे बंद करा दिया गया। उन्होंने कहा कि जब तक बाकी 14 लोगों को नौकरी नहीं दिया जाएगा काम चालू नहीं होने दिया जाएगा तथा आंदोलन जारी रहेगा।

ग्रामीण मोनीमाला मंडल ने कहा कि श्याम सेल कारखाना प्रबंधन पिछले दो वर्षों से नौकरी देने का झांसा देकर केवल टाल बहाना कर रहा है ।उन्होंने कहा कि विगत अक्टूबर महीने में लिखित सहमति होने के बाद भी नौकरी दिया नहीं जा रहा है। वही पाइप लाइन में खराबी आने पर उसकी मरम्मत कार्य किया जा रहा है जिसे रोक दिया गया है तथा जब तक ग्रामीणों को नौकरी नहीं दिया जाएगा काम चालू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्याम सेल प्रबंधन द्वारा नौकरी देने के नाम पर केवल टाल बहाना किया जा रहा है जिससे अजीज होकर काम रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक श्याम सेल प्रबंधन द्वारा नौकरी देने का वादा पूरा नहीं किया जाएगा आंदोलन जारी रहेगा।

डॉ. अंबेडकर पर कथित टिप्पणी के खिलाफ रानीगंज में भूइयां समाज का जोरदार प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (रानीगंज): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा डॉ. बी.आर. आंबेडकर पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के विरोध में शनिवार को भूइयां समाज उत्थान समिति की ओर से रानीगंज में जोरदार प्रदर्शन किया। समिति के सदस्यों ने रानीगंज के सियारसोल राजबाड़ी मोड़ से शिशु बागान तक एक विशाल रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने डॉ.अंबेडकर के पोस्टर और बैनर के साथ संगठन के झंडे थामे हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर मार्च किया। रैली का समापन शिशु बागान मोड़ स्थित नजरुल मूर्ति के पास हुआ, जहां प्रदर्शनकारियों ने अमित शाह का पुतला जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व संगठन के राज्य प्रमुख सिंटू भूइयां और रानीगंज इकाई के अन्य सदस्यों ने किया। प्रदर्शनकारियों ने गृह मंत्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त किया।

श्री श्री अकादमी, आसनसोल में वर्ल्ड मेडिटेशन डे का भव्य आयोजन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (आसनसोल): पहली बार पूरे विश्व में मनाए गए वर्ल्ड मेडिटेशन डे के उपलक्ष्य में श्री श्री अकादमी, आसनसोल में एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ध्यान (मेडिटेशन) के महत्व को उजागर करना और लोगों को मानसिक शांति एवं आंतरिक संतुलन स्थापित करने के लिए प्रेरित करना था। इस आयोजन का शुभारंभ विद्यालय की प्राध्यापिका मौसमी बनर्जी और डायरेक्ट कैप्टन एलोकेश सेन ने दीप प्रज्वलित करके किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 09:00 बजे श्री श्री रविशंकर जी के प्रेरणादायक वीडियो संदेश से हुई। उन्होंने ध्यान के माध्यम से सकारात्मकता, मानसिक शांति और तनावमुक्त जीवन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। 300 से अधिक प्रतिभागियों ने अनुभवी ध्यान प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सामूहिक ध्यान सत्र में भाग लिया, जिससे सभी को ध्यान की गहराई का अनुभव हुआ।

मानसिक स्वास्थ्य और ध्यान के प्रभाव पर विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया। इसमें ध्यान को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की तकनीकों पर प्रकाश डाला गया। ध्यान और योग के गहरे संबंध को दर्शाने के लिए एक लाइव योग प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को शारीरिक और मानसिक संतुलन के महत्व से अवगत कराया।

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सोदपुर क्षेत्रीय महाप्रबंधक अभिजीत गांगोपाध्याय ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए ध्यान के महत्व पर जोर दिया और इसे तनावमुक्त जीवन के लिए आवश्यक बताया।

श्री श्री अकादमी के आयोजकों ने सभी को वर्ल्ड मेडिटेशन डे की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा: "ध्यान एक ऐसी विधि है, जो हमारे मन को शांत करती है और हमें तनावमुक्त जीवन जीने में मदद करती है। हम सभी से इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने और सकारात्मकता को अपनाने की अपील करते हैं।"

खान बचाओ प्रतियोगिता में डब्ल्यूसीएल की टीम का दबदबा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (पांडवेश्वर): बीसीसीएल में आयोजित 53वीं अखिल भारतीय खान बचाव प्रतियोगिता- 2024 में कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की टीमों ने कई श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमेंडब्ल्यूसीएल सी महिला टीम ने अपनी श्रेणी में समग्र प्रथम स्थान प्राप्त किया और फ्रेश एयर बेस बेस्ट कैप्टन और रेस्क्यू एंड रिकवरी इवेंट्स में शीर्ष स्थान हासिल किया,

डब्ल्यूसीएल ए और बी टीमों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, कोयला श्रेणी में 5वें और 6वें स्थान पर रहीं, जबकि फेब में पहला और बेस्ट कैप्टन में तीसरा स्थान प्राप्त किया, प्रतियोगिता में रिकॉर्ड 32 टीमों- 19 कोयला, 8 धातु और 5 महिला टीमों- ने टर्नआउट और ड्रिल, प्राथमिक चिकित्सा, वैधानिक परीक्षण, सिद्धांत परीक्षण, फ्रेश एयर बेस (एफएबी), रिले रेस और बचाव और रिकवरी जैसी चुनौतीपूर्ण श्रेणियों में भाग लिया, कोलंबिया में आईएमआरसी वर्ष 2024 में किया गया भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों द्वारा अंतरराष्ट्रीय रस्सी बचाव प्रदर्शन एक विशेष आकर्षण था, जिसमें करम सेफ्टी और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), झारखंड के विशेषज्ञ भी शामिल थे,

बीसीसीएल द्वारा आयोजित खान बचाओ प्रतियोगिता में कई ऐतिहासिक मील के पत्थर देखने को मिले, जिन्होंने सुरक्षा, समावेशिता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को उजागर किया। पहली बार, इस आयोजन में एक अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक, एलेक्स ग्रिस्का, सचिव और अंतर्राष्ट्रीय खान बचाव निकाय. आईएमआरबी के कोषाध्यक्ष का स्वागत किया गया, जिसने एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया, एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि पाँच महिला बचाव टीमों की शुरुआत थी, जो एक अभूतपूर्व पहल है जो खनन क्षेत्र में समावेशिता और सशक्तिकरण को रेखांकित करती है,

प्रवासी मजदूर की मौत मामले में ठेकेदार गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (कांकसा): बीते शनिवार की रात दुसरे राज्य में काम के लिए गए एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई। मृत मजदूर का नाम सतीश मंडल (33) था, जो केनेलपार का रहने वाला था। परिजन ठेकेदार पर हत्या का आरोप लगाकर शव वापस लेने के लिए 4 दिन बाद कांकसा थाने की पुलिस के पास पहुंचे. परिजनों का आरोप है कि मजदूर पिछले कुछ सालों से बेंगलुरु में एक ठेकेदार के पास चिनाई का काम कर रहा था. र

विवार की सुबह ठेकेदार ने कांकसा स्थित कैनालपार स्थित घर पर फोन कर मौत की सूचना दी. इसके बाद परिजन कांकसा थाने जाकर शिकायत की. शनिवार दोपहर करीब तीन बजे जब ठेकेदार रवि सरकार शव को घर वापस लाए तो इलाके के लोगों और परिवार के सदस्यों ने शव को गाँव में घुसने नहीं दिया और प्रवेश द्वार को अवरुद्ध कर विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों की मांग थी कि शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराया जाए। और ठेकेदार की गिरफ्तारी की मांग की. स्थानीय लोगों के विरोध से इलाके में तनाव उत्पन्न हुआ तो कांकसा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया. परिजन बिना पुलिस की मदद के ताबूत में बंद शव को घर ले गए।

अपने मतलब की अधूरी जानकारी निकाल कर हाय तौबा करना विपक्षियों की पुरानी आदत- दिनेश सोनी

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (रानीगंज): गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब अंबेडकर पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के खिलाफ पूरे देश में विपक्ष विरोध प्रदर्शन चल रहा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल भी गृह मंत्री के बाबा साहब पर टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है। इसी क्रम में गुरुवार को रानीगंज के तारबांग्ला मोड़ पर रानीगंज शहर के तृणमूल अध्यक्ष रूपेश यादव के नेतृत्व में गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया था एवं अमित शाह का पुतला फूंका गया। इस दौरान रूपेश यादव ने कहा था कि जो हमारे संविधान रचयिता के खिलाफ बोलेगा उसे भारत में रहने का अधिकार नहीं है। अगर भारत में रहना होगा तो अंबेडकर अंबेडकर कहना होगा।

इसके जवाब में भाजपा के जिला प्रवक्ता रानीगंज निवासी दिनेश सोनी ने जवाब देते हुए कहा है कि अपने मतलब की अधूरी जानकारी निकाल कर हाय तौबा करना विपक्षियों की पुरानी आदत है। उन्हें चाहिए कि पहले अमित शाह जी का पूरा बयान सुने जो जनता ने सुना भी है देखा भी हैं। संविधान की धज्जियाँ उड़ाने वाले आज संविधान की बात कर रहे हैं। याद होना चाहिए के बाबा साहब को एक नहीं बल्कि दो बार नेहरू ने चुनाव हराया उस समय बाबा साहेब के साथ डटकर खड़े रहने वाले डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे।

1952 के लोकसभा चुनाव और 1953 उपचुनाव में नेहरू ने बाबा साहब के ख़िलाफ प्रचार किया और बाबा साहब को सहना पड़ा था हार का अपमान, बाबा साहब के जीवित रहते और उनके निधन के बार भी कांग्रेस ने बाबा साहब का अपमान नहीं छोड़ा था बाबा साहब के जीवित व मरणोपरांत भाजपा हमेशा उनके साथ रही, आज उनसे जुड़े 5 स्थलों पंचतीर्थ को विकसित किया। याद होना चाहिए कि संसद भवन के सेंट्रल हॉल के कांग्रेस ने अपने नेताओं के फोटो सजाया था परंतु बाबा साहब की एक तस्वीर को भी जगह नहीं दी थी ये है उनका बाबा साहब से लगाव।

आज बंगाल के तृणमूल नेता कहते है भारत में रहना होगा तो अंबेडकर अंबेडकर कहना होगा आज से पहले कभी उन लोगो को बाबा साहब की याद क्यों नहीं आई। संविधान की बात कांग्रेस और तृणमूल के मुख से शोभा नहीं देती हम उस पार्टी और उस संस्कृति से आते है जो स्वप्न में भी बाबा साहेब और उनके विचारों का अपमान नहीं कर सकते।

ईसीएल इंटर एरिया कैरम टूर्नामेंट का चैंपियन बना ईसीएल मुख्यालय

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (पांडवेश्वर): ईसीएल इंटर एरिया कैरम टूर्नामेंट में ईसीएल मुख्यालय की टीम ने फाइनल मैच में सतग्राम श्रीपुर क्षेत्र को पराजित करके चैंपियन बना, समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान, ईसीएल के वित सह कार्मिक निदेशक मोहम्मद अंजार आलम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विजेता टीम को पुरस्कार वितरण किया,

इस अवसर पर अपने संबोधन में वित निदेशक ने कहा की मुग्मा क्षेत्र की मेजबानी में इंटर एरिया कैरम टूर्नामेंट का सफल आयोजन हुआ और सभी क्षेत्रों की टीमों ने अच्छ प्रदर्शन किया, फाइनल मैच में ईसीएल मुख्यालय और सतग्राम श्रीपुर क्षेत्र की टीम ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, निदेशक ने दोनो टीमों को बधाई दिया और इसी तरह खेल भावना के साथ खेलो को जागृत रखने की बात कही,

इससे पहले मुग्मा क्षेत्र के महाप्रबंधक एस के चौधरी ने वित निदेशक का स्वागत किया, टूर्नामेंट के फाइनल में क्षेत्र के सभी कोलियरियों के अधिकारी मजदूर संगठनों के नेता और एजीएम एस के गायकवाड़ समेत अन्य उपस्थित थे.

एसकेएस पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (रानीगंज): एसकेएस पब्लिक स्कूल मंगलपुर का वार्षिक समारोह का आयोजन स्कूल दीप परसर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शासक पोनाब्लम एस. ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रतिस्पर्धा है शो प्रतिशत मन लगाकर विद्यार्थी पढ़ाई में ध्यान दें। अभिभावक अपने बच्चों को ना डांटे विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें। सोशल मीडिया का ज्यादा इस्तेमाल न करें, इससे नुकसान होने की संभावना बनी रहती है। स्कूल के ट्रस्टी उत्कर्ष गौतम, रानीगंज के बीडियो, पंजाबी मोड पुलिस फाडी करतार सिंह ने दीप प्रज्वलित किया। रानीगंज के विधायक तापस बनर्जी, चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी अरुण भारतीया, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अतिथियों ने इस अवसर पर स्कूल के टॉपर्स विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। नर्सरी फैशन शो, केजी डांस, क्लास डांस, हिंदी ड्रामा, बंगाली ड्रामा, लाइट डांस फेस्टिवल ऑफ़ पंजाब एवं अन्य कई तरह के नृत्य संगीत की प्रस्तुति की गई। स्कूल के प्रिंसिपल संदीप सिन्हा ने कहा कि विद्यार्थियों के प्रतिभा को निखारने का काम स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाएं कर रहे हैं। स्कूल के कई विद्यार्थी अभी शीर्ष स्थान पर है।

गढ़ पंचकोट इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेलकूद मीट 'उड़ान' का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (पुरुलिया): गढ़ पंचकोट इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को वार्षिक खेलकूद मीट 'उड़ान' का आयोजन किया गया। जिसमे वर्ष 2023-24 के विजेता छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। मौके पर अंतरराष्ट्रीय मैराथन विजेता प्रकाश बनर्जी मुख्य अतिथि के रूप में तथा हेल्थ वर्ल्ड के एसोसिएट वाईस प्रेसिडेंट कमलेन्दु मिश्र विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इनके अलावा अवकाश प्राप्त सहायक प्रधान शिक्षक पल्लव कुंडू, ग्रीन पॉइंट अकादमी के प्राचार्य एसएस राय, गढ़ पंचकोट स्कूल के प्राचार्य जयंत भट्टाचार्य सहित अन्य उपस्थित थे।

जानकारी के अनुसार शनिवार को आयोजित कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिता की अच्छी शुरुआत की। अपनी प्रतिभा का अच्छा प्रदर्शन किया। उपस्तिथ अभिभावकों व अन्य लोगों ने खेलकूद का आनंद उठाया।

इस दौरान गढ़ पंचकोट के प्रिंसिपल जयंत भट्टाचार्य ने जीवन में खेलकूद के महत्व को बताया कहा कि हम पढ़ाई लिखाई के साथ खेलकूद को भी अहमियत देते हैं। क्योंकि इससे मन की नीरसता दूर होती है। कहा कि मनको निरस नहीं होने देना चाहिए क्योंकि इससे मन की क्रियशीलता प्रभावित हो जाती है और व्यक्ति में सक्रियता कुंठित होकर हिनमासिकता जन्म लेने लगती है। अतः पढ़ाई के साथ साथ इसकी भी बहुत आवश्यकता है। उन्होंने छात्र छात्राओं को खेलकूदों में प्रदर्शन के लिए बधाई और प्रोत्साहन दिया।

बाँकुड़ा में इंडो नेपाल अंतर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (बांकुड़ा): भारत- नेपाल अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन बांकुड़ा धर्मशाला में हुआ. ब्लैक बेल्ट एक्शन मार्शल आर्ट्स अकादमी की देखरेख और बांकुरा धर्मशाला चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से दो दिवसीय 12वीं ओपन नेशनल और दूसरी इंडो नेपाल इंटरनेशनल मार्शल आर्ट और ताइक्कांडो कराटे चैंपियनशिप नेपाल, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड जैसे राज्यों के प्रतियोगियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बांकुड़ा धर्मशाला चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव कमल बाजोरिया, पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन बांकुड़ा शाखा के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, नेपाल के ग्रैंड मास्टर अभिषेक सिंह, महासचिव विनोद कुमार, झारखंड से रविशंकर जी, मणिपुर से पी. एलन माइटी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

इस संबंध में आयोजन सचिव सुशांत बनर्जी ने बताया कि 12वीं ओपन नेशनल और दूसरी इंडो नेपाल इंटरनेशनल मार्शल आर्ट चैंपियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें नेपाल, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, असम, हरियाणा, झारखंड, पंजाब और पश्चिम बंगाल समेत 8 राज्यों के 550 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया. महिला एवं पुरुष वर्ग में चार स्पर्धाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं तथा सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। प्रत्येक श्रेणी के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

इस संबंध में विशिष्ट अतिथि नरेंद्र शर्मा ने कहा कि खेल के साथ-साथ आत्मरक्षा सीखना भी जरूरी है. बांकुड़ा शहर में मार्शल आर्ट जैसे खेल की अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. यह बेहद खुशी की खबर है.

मौके पर कमल बाजोरिया ने कहा कि महिलाओं के लिए कराटे जैसे आत्मरक्षा खेल सीखना बहुत जरूरी है. आजकल महिलाएं मार्शल आर्ट जैसे खेलों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं।

आज का राशिफल

22 दिसम्बर 2024
रविवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन मिलाजुला रहेगा। विशेष काम के कारन लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। परिजनों का साथ और सहयोग आप पर बना रहेगा। राजनीतिक क्षेत्र में सावधान रहने की आवश्यकता है। धोखा मिल सकता है। रुका हुआ काम पूरा होगा।

वृषभ

दिन सामान्य रहेगा। कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी होगी। लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होगा। पुराने मित्र से मिलकर खुशी होगी। आर्थिक स्थिति को लेकर आप परेशान रहेंगे। वाद-विवाद से दूर रहें। खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मिथुन

दिन बढ़िया रहेगा। व्यापार में किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग पर प्रशस्थ होंगे। किसी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

कर्क

दिन अच्छा रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर माहौल खुशनुमा पिताजी से वाद विवाद में नहीं पड़ना है। राजनीति में महिला मित्रों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

सिंह

दिन उत्तम रहेगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। आप लाभ के अवसरों को हाथ से जाने न देंगे। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। कानूनी मामले में जीत मिलेगी। वाहन खरीदने का सपना पूरा होगा। किसी बहकावे में आकर निवेश न करें।

कन्या

दिन मिलाजुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में कोई बदलाव ना लाएं। अपने रुष्ठ व्यवहार के कारण आपका मन परेशान रहेगा। गृहस्थ जीवन में खुशियाँ बनी रहेगी। परिवार में लोगों को आपकी कोई बात बुरी लग सकती है। स्वास्थ्य को लेकर सजग रहे।

तुला

दिन अच्छा रहेगा। खुद को उर्जावान महसूस करेंगे। स्वास्थ्य में अकस्मात गिरावट आ सकती है। किसी नए काम की शुरुआत ना करें। परिवार में खुशियाँ आ सकती है। संतान पक्ष से खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। धर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृश्चिक

दिन मिलाजुला रहेगा। साझेदारी में किसी काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। परिवार की समस्याओं को सुधारने की कोशिश करनी है। बिजनेस में कुछ अवरोधों को दूर करने में सफल रहेंगे। किसी को भी बिना मांगे सलाह देने से बचना होगा।

धनु

दिन शानदार रहेगा। घर, वाहन और मकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं। लेकिन कोई काम पूरा न होने से उदासी रहेगी। विद्यार्थियों का पढ़ाई-लिखाई से ध्यान भटक सकता है। किसी काम के चलते लंबे दूरी की यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मकर

दिन उत्तम रहेगा। व्यवसाय में आपको काफी लाभ मिलेगा। विरोधी पर आप हावी रहेंगे। अपने चतुर बुद्धि से समस्याओं को आसानी से मात दे पाएंगे। विद्यार्थियों को सफलता हासिल होगी। पुराना मित्र मिलेगा। अजनबी पर भरोसा न करे।

कुंभ

दिन मिलाजुला रहेगा। सामाजिक क्षेत्रों में विरोधी के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार के क्षेत्र में किसी को कोई बड़ी रकम उधार में ना दें। किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा रहे हैं। आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

मीन

दिन सामान्य रहेगा। सेहत कमजोर रहने वाला है। आपका मन धार्मिक कार्यों की ओर अग्रसर रहेगा। बिजनेस में परिवर्तन अच्छा लाभ लेकर आएगी। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे। सरकारी योजना का पूरा लाभ मिलेगा।

पीएमओ की पांच सदस्यीय टीम झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्र में

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): केंद्र की सरकार को मानव की सुरक्षा से ज्यादा चिंता कोयला उत्खनन की है तभी तों मजबूरी में कोयलांचल में बसी घनी आबादी को सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास करने की बात करती है।

झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्र और विस्थापन की समस्या को लेकर भारत सरकार की पांच सदस्यीय टीम ने दौरा किया। टीम में कोल इंडिया के असिस्टेंट सेक्रेटरी, नीति आयोग के एडवाइजर, और पीएमओ के डिप्टी सेक्रेटरी समेत अन्य वरिष्ठ

अधिकारी शामिल थे। तीन दिवसीय दौरे के दौरान टीम ने बीसीसीएल के खदानों, विस्थापित क्षेत्र मोहरीबांध, घनुवाडीह का निरीक्षण किया। टीम ने अग्नि प्रभावित क्षेत्र झरिया के मोहरीबांध में लगभग 15 मिनट तक निरीक्षण किया और वहां मौजूद बीसीसीएल के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। जबकि टीम ने शुक्रवार की शाम को कुसुंडा एरिया के ऐना माइंस पहुंची जहां उत्खनन कार्य को देखा। वही हालांकि, स्थानीय लोगों ने टीम की कार्यवाई को महज औपचारिकता करार दिया। झरिया के विस्थापित और अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों ने कहा कि केंद्र सरकार और कोल इंडिया की टीम क्षेत्र का निरीक्षण करने तो आई लेकिन उनकी समस्याओं को नजर अंदाज किया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि टीम ने न तो प्रभावितों के घरों का निरीक्षण किया और ना ही उनकी समस्याओं को सुना। बता दे कि अग्नि प्रभावित और भू धसान क्षेत्र में रह रहे लोगों का पुनर्वास कार्य भी बंद है। मगर सरकार ये भूल रही है की आबादी को हटाये बगैर ओसीपी से कोयला उत्खनन (उत्पादन) करना संभव नहीं है।

उपायुक्त द्वारा सात ट्रांसजेंडर को सौंपा गया पहचान पत्र

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): किन्नर समाज को मुख्य धारा में जोड़ते हुए धनबाद जिला प्रशासन ने शनिवार को जिले के 7 किन्नरों को पहचानपत्र दिया। महिला बाल विकास विभाग की योजना के तहत उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने सभी को पहचान पत्र दिया। इस अवसर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनिता कुजूर भी मौजूद थीं।

पहचान पत्र मिलने से किन्नरों को समाज में समुचित अधिकार और व्यक्तिगत पहचान के साथ मुख्यधारा में साझेदारी सुनिश्चित हो सकेगी। उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ भी मिल सकेगा। समाज कल्याण पदाधिकारी द्वारा सभी ऑनलाइन कार्यों का निष्पादन करते हुए सात किन्नरों को पहचान पत्र उपलब्ध कराया गया। उपायुक्त ने कहा कि धनबाद जिला में अब तक कुल 13 ट्रांसजेंडर को पहचान पत्र निर्गत किया गया है। भविष्य में भी अहर्ताधारी व्यक्तियों को पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके अलावा सामाजिक सहायता योजना के तहत ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों के लिए मुख्यमंत्री राज्य ट्रांसजेंडर/तृतीय लिंग पेंशन योजना के तहत सभी ट्रांसजेंडर को सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक नियाज अहमद के द्वारा फॉर्म भराया गया। जिसका लाभ उन्हें कुछ दिनों में मिलना शुरू हो जाएगा। जिसे लेकर सभी ट्रांसजेंडर ने उपायुक्त माधवी मिश्रा का धन्यवाद एवं आभार किया।

सीएफएम संक्षिप्त

पीओ के साथ यूनियन नें की वार्ता

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): शनिवार को लोदना क्षेत्र अंतर्गत बरारी कोलियरी के कार्यालय में एक आवश्यक बैठक प्रबंधक व युनियन के पदाधिकारियों के साथ पीट वाटर एवं पे जल के लिए ठोस पहल पर परियोजना पदाधिकारी अरुण कुमार पांडेय अभियंता अजय कुमार सिंह मैनेजर शांतनु शील एवं जनता मजदूर संघ के क्षेत्रीय सचिव अनिल सिंह अध्यक्ष सुदर्शन प्रसाद राय बाबू सिंह मनोहर सिंह बलबीर कुमार सिंह एवं बाजार दौड़ा छः नंबर लक्ष्मी कॉलोनी, डोम दौड़ा बरारी नंबर 1के समस्त लोगों के साथ वार्ता हुई। परियोजना पदाधिकारी ने 10 दिन में अंदर सभी जगहों पर न्यू पाइप बिछा कर सबको पीट वाटर एवं पीने का पानी दिया जाएगा।

साइंस एग्जीबिशन का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): भूली बायपास रोड धनबाद सिटी स्कूल में एक दिवसीय साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से सिटी स्कूल के प्रिंसिपल राहुल त्रिपाठी, सेक्रेटरी अमीर राशिद शामिल हुए। मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया गया है। इसमें तीसरी कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें बच्चों ने सोलर सिस्टम, हार्ट वर्किंग मॉडल एवं पॉल्यूशन कंट्रोल स्मार्ट कल्चरल को प्रस्तुत किया। वहीं स्कूल के बच्चे काफी उत्साहित थे। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं एवं अभिभावकगण मौजूद थे।

बिरहोर समुदाय के नंदलाल बिरहोर को उपायुक्त ने सौंपा नियुक्ति पत्र

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा द्वारा बिरहोर समुदाय के नंदलाल बिरहोर को अनुकंपा के आधार पर चतुर्थ वर्ग में अनुसेवक के हेतु नियुक्ति पत्र सौंपा गया। नंदलाल बिरहोर, पिता स्व. छोटाशुकर बिरहोर, भूतपूर्व अन्न भंडार चौकीदार(जिला कल्याण कार्यालय, धनबाद) को अनुकंपा के आधार पर चतुर्थ वर्ग में अनु सेवक के पद पर जिला कल्याण कार्यालय में नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पत्र सपना के उपरांत उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने नंदलाल बिरहोर को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर प्रभारी जिला कल्याण पदाधिकारी श्री नियाज अहमद मौजूद रहें।

डायन प्रथा, बाल विवाह प्रथा, भ्रूण हत्या, लिंग भेद के रोकथाम हेतु की गई चर्चा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): सामाजिक कुरीति निवारण योजना के तहत कार्यशाला का आयोजन डीआरडीए सभागार मिश्रित भवन धनबाद में पूर्वाहन 11.30 बजे से जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनिता कुजूर ने सामाजिक कुरीति यथा-डायन प्रथा, बाल विवाह प्रथा, भ्रूण हत्या, लिंग भेद इत्यादि के संदर्भ में जनमानस को जागरूक किये जाने एवं सामाजिक कुरीति पर रोकथाम लगाने पर विस्तृत समीक्षा एवं जानकारी दिया। कार्यशाला में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, सदस्य बाल कल्याण समिति, महिला पर्यवेक्षिका, कार्यरत एनजीओ तथा आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित हुई।

राज्यपाल ने पहला कदम स्कूल का दिव्यांगों के हित में प्रयासों को सराहा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की विशेष स्कूल पहला कदम की टीम ने शनिवार को झारखण्ड के राज्यपाल संतोष गंगवार से औपचारिक मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर पहला कदम की सचिव अनिता अग्रवाल, प्रतिक अग्रवाल और कौशल अग्रवाल ने मुलाकात कर पहला कदम स्कूल के द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र मे किये जाने वाले कार्यो को साझा किया।राज्यपाल के द्वारा पहला कदम स्कूल के दिव्यांगों के हित मे होने वाले प्रयासो को सराहा।राज्यपाल के द्वारा की गई यह मुलाकात दिव्यांग बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बेहतर प्रयास करेगा। राज्यपाल ने पहला कदम स्कूल के दिव्यांग बच्चों के हित मे साथ देने का आश्वासन दिया। पहला कदम की पूरी टीम ने राज्यपाल का आभार व्यक्त किया।

चार अनाथ बच्चों एवं एक पॉक्सो विक्टिम दिव्यांग के बीच शैक्षणिक किट, गर्म कपड़े और सहायता सामग्री का वितरण

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा द्वारा समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बाघमारा के अनाथ बच्चों को शैक्षणिक किट, गर्म कपड़े सहित सहायता सामग्री प्रदान की गई।

इसके अलावा एक पॉक्सो विक्टिम दिव्यांग को भी शैक्षणिक किट, गर्म कपड़े सहित सहायता सामग्री प्रदान की गई।

इसके अलावा उपायुक्त द्वारा बच्चों के सुगमता पूर्वक जीवन यापन करने हेतु मिशन

वात्सल्य के तहत स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत सहायता राशि की प्रकिया जल्द पूर्ण करने हेतु जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। साथ हीं उनके शिक्षा हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर ने बताया कि सभी चार बच्चे एक ही परिवार के हैं, जिनमे से 3 बच्चो को मिशन वात्सल्य के तहत स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत सहायता राशि प्रदान करायी जाएगी जिसकी प्रक्रिया की जा रही है। साथ ही एक बच्ची को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन कराया जाएगा।

मौके पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, प्रोटेक्शन ऑफिसर आनंद कुमार, प्रीति कुमारी, मदन मोहन मेहता, रूपेश महतो, गौरांग नंदी सहित अन्य मौजूद रहे।

चोरों नें ज्वेलरी दुकान में की चोरी का प्रयास, युवक गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत मुख्य मार्ग स्थित जयश्री ज्वेलर्स में बीती रात चोरों ने चोरी का प्रयास किया लेकिन मौके पर सरायढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी पहुंच गयी और एक युवक को रंगे हाथ पकड़ लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है उसका एक अन्य साथी भागने में सफल रहा पुलिस उसके बारे में जानकारी जुटा रही है। बताया जाता है कि जयश्री ज्वेलर्स में चोरों के दल ने ताला तोड़ कर अंदर प्रवेश का प्रयास किया दुकान का दो ताला को तोड़ दिया था मौके पर पुलिस के पहुंचने से एक युवक पकड़ा गया पुलिस ने उसके पास एक रॉड बरामद किया है रॉड से दुकानों का ताला तोड़ा जाता है घटना के बाद दुकान मालिक अंकुर चौधरी को जानकारी दी गयी। सुबह में दुकान के मालिक पहुंचे तो उन्होंने सीसीटीवी फुटेज को खंगाला फुटेज में दो युवक दिख रहा हैं और दोनों अपना चेहरा छिपाये हुए था सरायढेला पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

खाकी और खादी की मिली भगत से नमक फैक्ट्री और अवैध माइंस का संचालन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): जोगता थाना क्षेत्र में अवैध खनन का एक मामला प्रकाश में आया है स्थानीय लोगों का कहना है कि स्थानीय कोयला कारोबारी विद्रोही और अंसारी अपनी नमक फैक्ट्री में अवैध रूप से खनन कर रहा था।

सूत्रों के मुताबिक, सीआईएसएफ, बीसीसीएल अधिकारी व पुलिस ने अवैध खनन हो रहे माइंस मुहाने को पूरी तरह से नहीं भरा है, जिससे पर्यावरण सहित अन्य लोगों को जानमाल कि नुकसान पहुंचने कि आशंका जताई जा रही है, इस मामले में स्थानीय लोगों ने कार्रवाई की

मांग कर रहा है ग्रामीणों का आरोप है कि ये लोग लंबे समय से अवैध खनन कर रहे हैं और प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस मामले में अवैध माइंस चला रहे के खिलाफ जांच शुरू कर मामला दर्ज करेगी या नहीं ये तो कुछ दिन बाद ही पता चल पाएगा।

बीसीसीएल एरिया 5 के कनकनी कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी एमपी नारायण ने कहा कि मेरे संज्ञान में आया कि नमक फैक्ट्री में अवैध मुहाने बनाकर कोयले की निकासी किया जा रहा है, जिसको लेकर शनिवार को अवैध रूप से किए गए कोयले मुहाने की भराई कर दिया गया है

आगे इस तरह से अवैध कोयले की निकासी ना हो इसके लिए सीआईएसएफ निगरानी करते रहेंगे।

पौष पार्बन मेला में दूसरे दिन शांतिनिकेतन के लोकगीत कलाकारों ने दी वाउल संगीत की प्रस्तुति

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): लिन्डसे क्लब एंड लाइब्रेरी द्वारा आयोजित पौष पार्बन उत्सव के दूसरे दिन मेला प्रांगन दर्शको से खचाखच भरा रहा।बंगाली समुदाय के लोग कई साल से हिरापुर लिन्डसे क्लब के प्रांगन मे ही मेला का आनन्द लेते आ रहे है।मेले में तरह-तरह के व्यंजन जैसे मिठाई, पायेस, गुड के संदेश, पुलि पिठे, गुड के रसगुल्ला, वैगनी, फिश फिंगार, मटन चप, कटलेट, मटनछोला, ढोकला, भेज रोल, दावेलि, बिरियानी का लोगो ने लुप्त उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य मलिका के बच्चो द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात लोकगीत का कार्यक्रम एंड लिन्डसे क्लब के सदस्यो द्वारा गीत प्रस्तुत किए गये व सदस्य ने स्रुति नाटक पाठ किए।

तत्पश्चात शान्तिनिकेतन बोलपुर बंगाल के मशहूर लोकगीत कलाकार जयेन्त दास के समुह द्वारा वाउल संगीत प्रस्तुत किए गये। उपस्थित दर्शको वाउल संगीत के साथ साथ झूमते नाचते हुए भरपूर आनन्द किये। सचिव सलिल विश्वास ने कार्यक्रम को सफल आयोजन के लिए सभी कार्यकर्ता को हार्दिक बधाई दी।

बीसीक्यू के 6 नंबर साइडींग का शाखा सम्मेलन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): बिहार कोलियरी कामगार यूनियन का 6 नंबर साइडिंग शाखा का सम्मेलन कुजामा में कॉमरेड राम प्रसाद यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सबसे पहले सम्मेलन का उद्घाटन भाषण बीसीकेयू के केंद्रीय संगठन मंत्री ए एम पाल ने किया.

इसके बाद कमेटी में उपस्थित तमाम साथियों ने सम्मेलन में बहस में भाग लिया। इसके बाद 26 सदस्यों वाली नई कमेटी का गठन किया गया. कामरेड रामप्रसाद यादव, अध्यक्ष मनोज निषाद, उपाध्यक्ष राजकुमार चौहान, उपाध्यक्ष रेखा देवी, उपाध्यक्ष आशा वर्मा, उपाध्यक्ष अशोक राम, सचिव अनिल पासवान, संयुक्त सचिव काजल मंडल, संयुक्त सचिव पुतुल देवी, संयुक्त सचिव मुनिया देवी, संयुक्त सचिव रामप्रवेश पासवान, कोषाध्यक्ष हरे राम पासवान, बुधन पासवान, गोरेलाल बावरी, सूरज पासी, राजदीप बावड़ी, मंगल भैया, महेंद्र भैया, ललित भैया, सुधीर पासवान, शीव बच्चन पासवान, सुंदरवन बेलदारीन, सोना देवी, राजा कुमार, संजू देवी, उपेंद्र पासवान एवं कमेटी का संरक्षक कॉम. कुंदन पासवान, कामरेड मनोज पासवान चुने गए।

सम्मेलन को बीसीकेयू के केंद्रीय उपाध्यक्ष का0 सुरेश प्रसाद गुप्ता ने अनगिनत चर्चाओं के साथ साथ सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा की वर्तमान समय में सरकार की नीतियों के वजह से खासकर असंगठित क्षेत्र के ठेका मजदूरों को उनका कानूनी अधिकार भी नहीं मिल पा रहा है,

जबकि कोल इंडिया के ठेका मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी तय है जो आज तक नहीं मिल पाया हैं।

आज लाल झंडा के तले मजदूरों को संगठित हो कर संघर्ष के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा हैं। मजदूर संगठित होकर संघर्ष करें तो मजदूरों की जीत सुनिश्चित है।

आने वाले दिनों में लाल झंडा तमाम वैसे मजदूर जो अधिकारों से वंचित किया जा रहे हैं उनकी लड़ाई लडने के लिए कटिबध है।

मैन्युअल लोडिंग और न्यूनतम मजदूरी दी जाए नहीं तो होगी अनिश्चितकालीन हड़ताल- प्रीतम रवानी

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) के बेनर तले क्षेत्रीय सचिव प्रीतम रवानी के नेतृत्व में शनिवार को लोदना 10 अंतर्गत कुजामा चेक पोस्ट पर असंगठित मजदूरों के विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन बंदी का ऐलान किया गया। जनता मजदूर संघ के प्रीतम रवानी ने बताया कि बीसीसीएल प्रबंधन अपनी अड़ियल रवैया को अपनाते हुए मैन्युअल लोडिंग के बजाय पेलोडर लोडिंग करवाने का काम कर रही है.. जिसके कारण मजदूर भुखमरी के कगार पर आ गए हैं, मैं प्रबंधन से मांग करता हूं कि पेलोडर लोडिंग की जगह मैन्युअल लोडिंग किया जाए जिससे मजदूरों को काम मिल सकेगा, मैन्युअल लोडिंग होने से 500 मजदूरों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा,

वहीं श्रम कानून के तहत मजदूरों को 12 घंटे की जगह 8 घंटे काम लिया जाए, मजदूरी दर बढ़ाया जाए अगर प्रबंधन हमारी बातों को नहीं मानती है तो आने वाले दिनों में अनिश्चितकालीन बंदी करेंगे।

आज प्रबंधन मनमानी कर रही है जिसके कारण मजदूर बेरोजगार हो गए हैं, मजदूरों के हित के लिए इन मांगों को माना जाए। मौके पर प्रीतम रवानी सचिव, रविंद्र प्रसाद, रत्नेश यादव, दीपक साव, आमिर बाऊरी, सोनू साव, मुकेश यादव आदि लोग मौजूद थे ।

कृष्णा अग्रवाल पुनः बने धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के निर्विरोध अध्यक्ष

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन सत्र 2024-2026 के लिए पुनः एक बार कृष्णा अग्रवाल को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित हुए।

ज्ञातव्य हो कि धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन (सत्र 2024-2026) के अध्यक्ष पद का चुनाव सम्पन्न कराने हेतु तीन सदस्यीय चुनाव अधिकारी नियुक्त किये गया थे, जिसमें सर्वश्री अनिल गुप्ता, राजेश रिटोलिया एवं दीपक रुइया थे।जिला अध्यक्ष पद के प्रत्याशी के रूप में दो सदस्यों सुरेंद्र अग्रवाल एवँ कृष्णा अग्रवाल ने नामांकन किया था। इनदोनो के मध्य ही चुनाव होना था।

दिनाँक 19 दिसम्बर को

सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य अधिवक्ता दीना नाथ चौधरी एवं मुख्य चुनाव पदाधिकारी अनिल गुप्ता की पहल पर प्रत्याशी सुरेन्द्र अग्रवाल के आवास पर महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें सुरेन्द्र अग्रवाल ने सर्वसम्मति का मार्ग प्रशस्त करते हुए अपना नामांकन वापस ले लिया। ऐसे परिस्तिथि में कृष्णा अग्रवाल निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। सुरेन्द्र अग्रवाल ने अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल को बधाई एवं शुभकामना देते हुए सत्र 2024-2026 के लिए अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

अध्यक्ष बनने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देते हुए शनिवार को संध्या हीरापुर स्थित अग्रसेन भवन में निर्वाचन पदाधिकारी अनिल गुप्ता, राजेश रिटोलिया एवं दीपक रुइया ने संयुक्त रूप से सत्र 2024 -2026 के लिए अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल को प्रमाण पत्र प्रदान किया। प्रमाण पत्र मिलने के बाद अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने मारवाड़ी सम्मेलन के तमाम सदस्यों के साथ साथ पूरे समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मेलन ने जो दायित्व दिया है उसपर खरा उतरने का प्रयास करूंगा ओर सभी को साथ लेकर बड़ो के मार्गदर्शन में सम्मेलन को ओर अधिक मजबूत बनाया जाएगा। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रमंडलीय मंत्री जितेंद्र अग्रवाल ने कृष्णा अग्रवाल को प्रांत की ओर से बधाई देते हुए कहा कि कृष्ण अग्रवाल के नेतृत्व में सम्मेलन पूरे प्रांत में अव्वल स्थान प्राप्त करेगा ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है। सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष चेतन गोयनका ने कहा कि कृष्ण अग्रवाल के नेतृत्व में धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन मारवाड़ी समाज को नई दिशा प्रदान करेगा। सम्मेलन के वरीय संगरक्ष सदस्य कृष्ण लाल रूँगटा ने कहा कि अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल की सक्रियता एवं आक्रमकता का लाभ निश्चित रूप से पूरे समाज के साथ साथ मारवाड़ी सम्मेलन को मिला। सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं संगरक्ष सदस्य शम्भूनाथ अग्रवाल ने कहा कि कृष्णा अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में सम्मेलन को एक नई ऊर्जा एवं पहचान प्राप्त हुई। राजकमल सरस्वती शिशु विद्यालय के अध्यक्ष एवं वरीय संगरक्ष सदस्य विनोद तुलस्यान के कहा कि समग्र समाज मे मारवाड़ी सम्मेलन की प्रतिष्ठा बढ़ी है और अधिक से अधिक संख्या में समाज के बंधुओं को जोड़ना की आवश्यकता है।

निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर कृष्णा अग्रवाल को दीनानाथ चौधरी, पुष्कर मल डोकानिया, कृष्णा लोहारुका, राजेन्द्र बंसल, रमेश रिटोलिया, प्रवीण अग्रवाल आदि ने बधाई दी।

घनुडीह ओपी पुलिस और सीआईएसएफ ने छापामारी कर 20 टन अवैध कोयला जप्त किया

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): शनिवार को दुर्गापुर कुम्हार पट्टी के निकट व पांडेबेड़ा में अवैध कोयला का भंडारण व ट्रक से ढुलाई का कार्य चल रहा था महीनों से। पर खनन टास्क फोर्स के तहत बरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार गुप्त सूचना के अधार पर शनिवार को पांडेय बेड़ा बस्ती स्थित सीआईएसएफ व घनुडीह ओपी की पुलिस ने संयुक्त रुप से छापामारी कर लगभग 20 टन अवैध कोयला जप्त कर शनिवार को बीसीसीएल प्रबंधन को सौप दिया। इधर छापामारी की भनक लगते ही युक्त स्थल से कोयला चोर भागने में सफल रहे। मौके पर पुलीस टीम के नेतृत्व कर रहे घनुडीह ओपी के एएसआई चूमना उरांव ने बताए कि गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध कारोबारियों द्वारा अवैध रूप से कोयले की भंडारण पांडेय बेड़ा वस्ती स्थित किया जा रहा है। जिसे रात के अंधेरे में अवैध कारोबारियों द्वारा ठिकाने लगाने के फिराक में थें। मौके पर सीआईएसएफ के अधिकारी व जवान समेत ओपी के एएसआई अखिलेश कुमार के साथ सहयोगी पुलिस कर्मी मौजूद थे। समाचार लिखे जाने तक घनुवाडीह ओपी में इस संदर्भ कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

राजनीति से वाष्पित होती सदाशयता और सदाचार

क्रोनी केपिटलिस्म का बढ़ता चलन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर 2024: महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। इसके अलावा प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि "मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत है" भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है, किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय और ना जाने कितने महान व्यक्तियों ने नैतिकता और संस्कृति में एकजुट होकर ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का पतन, क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई तथा इसकी दशा और दिशा मैं नैतिकता का क्षरण तथा पतन धीरे-धीरे प्रारंभ हो गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है की राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन केन प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है, और यही कारण है कि आज अधिकतर भारतीय राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, एवं उन पर मुकदमा भी चल रहा है। यह सर्व विदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है इसका उपयोग में अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। इस तरह पूरे राज्य स्वदेश के संसाधनों का किसी एक क्षेत्र में निवेश करते जाते हैं, जो अनैतिकता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। राजनीति में भाई भतीजावाद एक सामान्य बहुत चर्चित लक्षण है, कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो कोई भी बड़ा पद उसके भाई, भतीजे, पत्नी, बेटे आदि को मिल जाए, इतना ही नहीं कई बार सगे संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। "भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटलिस्म यानी उद्योगपतियों एवं राजनीतिज्ञों का आपस में गठजोड़ को क्रोनी कैपिटलिस्म माना जाता है।" इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने मैं कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीलिए संविधान तथा इस अधिनियम में जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता एवं एवं अपराधिक निर्योग्यता का प्रावधान किया जाना चाहिए जिससे राजनीति थोड़ी साफ सुथरी हो और नैतिकता तथा आत्मबल में वृद्धि हो। पढ़े लिखे, शिक्षित लोगों की राजनीति में आने से वहां का वातावरण थोड़ा शुद्ध होने की संभावना बनती है, और देश के विकास को भी बल मिलता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि सामान्यता अपराधी प्रवृत्ति लोगों को विधानसभा या लोकसभा में टिकट नहीं दी जानी चाहिए, जिससे उनका राजनीति में प्रवेश प्रतिबंधित हो सके। प्रायः देखा गया है कि अनैतिकता की शुरुआत अधिक धन के संचालित होती है। इसीलिए सभी राजनीतिक दलों के प्राप्त चंदे को ऑडिट के दायरे में लाना जाकर लाया जाना चाहिए, ताकि नैतिक चंदे से राजनीति भी नैतिक हो सके। सदनों की नियमावली में परिवर्तन करते हुए सूचना के अधिकार के अंतर्गत जिसमें पार्टियों की गतिविधियां भी आर,टी,आई के दायरे में लाई जा सके। जिससे राजनीतिक पारदर्शिता को बल मिलेगा। हाल ही में भारतीय संसद की निष्पादन क्षमता में भारी कमी आई है, क्योंकि प्रत्येक राजनीतिक दल संसद का प्रयोग राजनीतिक लाभ के लिए करने लगे हैं, इसीलिए नियमावली में परिवर्तन के साथ इस पर लगाम लगाई जानी चाहिए। इससे राजनीति में नैतिकता का क्षरण ना हो।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक, लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

समान पैदावार के साथ स्वास्थ्य जोखिम कम करेगी प्राकृतिक खेती

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर 2024: किसानों की खाद की मांग को पूरा करने के लिए शहरी गीले कचरे से खाद बनाने को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन में शामिल करें। विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन: स्थानीय खाद बनाने के समाधानों के लिए शहर-किसान भागीदारी को बढ़ावा दें। खाद बनाने की तकनीक और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मज़बूत करें। जन जागरूकता और बुनियादी ढांचे में निवेश के माध्यम से स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण प्रथाओं को बढ़ाएँ। खेतों पर खाद बनाने के बुनियादी ढांचे के लिए सब्सिडी प्रदान करें। खेतों में सीधे अपशिष्ट वितरण को प्रोत्साहित करके यूएलबी के लिए परिचालन लागत कम करें।

25 नवंबर, 2024 को भारत सरकार ने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और एक करोड़ किसानों के बीच जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की शुरुआत की। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन का उद्देश्य जैविक खेती की ओर बढ़ रहे किसानों को प्रशिक्षित करना और उनका समर्थन करना है, जिसमें गाय के गोबर से बनी खाद और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अन्य गैर-रासायनिक उर्वरकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। हालांकि, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के साथ इसका एकीकरण कृषि और अपशिष्ट प्रबंधन दोनों में चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक अभिनव समाधान प्रदान करता है। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों ने पारंपरिक खेती करने वालों के समान ही पैदावार की सूचना दी। कई मामलों में, प्रति फ़सल अधिक पैदावार की भी सूचना मिली। चूंकि प्राकृतिक खेती में किसी भी सिंथेटिक रसायन का उपयोग नहीं किया जाता है, इसलिए स्वास्थ्य जोखिम और खतरे समाप्त हो जाते हैं। भोजन में पोषण घनत्व अधिक होता है और इसलिए यह बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है।

प्राकृतिक खेती बेहतर मृदा जीव विज्ञान, बेहतर कृषि जैव विविधता और बहुत कम कार्बन और नाइट्रोजन पदचिह्नों के साथ पानी का अधिक विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करती है। प्राकृतिक खेती का उद्देश्य लागत में कमी, कम जोखिम, समान पैदावार, अंतर-फसल से आय के कारण किसानों की शुद्ध आय में वृद्धि करके खेती को व्यवहार्य और आकांक्षापूर्ण बनाना है। विभिन्न फसलों के साथ काम करके जो एक-दूसरे की मदद करते हैं और वाष्पीकरण के माध्यम से अनावश्यक पानी के नुक़सान को रोकने के लिए मिट्टी को कवर करते हैं, प्राकृतिक खेती 'प्रति बूंद फसल' की मात्रा को अनुकूलित करती है।

भारत में सालाना 5.8 करोड़ टन ठोस कचरा पैदा होता है, जिसमें 1 करोड़ टन जैविक खाद बनाने की क्षमता है। इसके बावजूद, अलग-अलग कचरे से शहरी खाद को अभी तक एकीकृत नहीं किया गया है, जो सालाना 15-20 लाख किसानों की खाद की ज़रूरतों को पूरा कर सकता है। अप्रसंस्कृत नगरपालिका अपशिष्ट अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों के पास लैंडफिल में समाप्त हो जाता है, जिससे पर्यावरण क्षरण और मीथेन उत्सर्जन होता है। शहरी स्थानीय निकाय केवल 30-40% कचरे का प्रसंस्करण करते हैं, वे अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं को क्रियाशील रखने के लिए परिचालन सब्सिडी पर निर्भर रहते हैं।

जैविक खाद की आवश्यकता 2 -3 टन प्रति एकड़ है, जो 100-150 किलोग्राम रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता से कहीं अधिक है। परिवहन लागत जैविक खाद को इसकी कम क़ीमत (₹2, 000-3, 000 प्रति टन) के बावजूद किसानों के लिए कम सुलभ बनाती है। यह मॉडल अलग किए गए शहरी गीले कचरे को खेत की भूमि से जोड़ता है, जिससे खेतों पर सीधे खाद बनाना संभव हो जाता है। यह टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देते हुए अपशिष्ट प्रबंधन में चुनौतियों का समाधान करता है। शहरी स्थानीय निकाय अलग किए गए गीले कचरे को अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों या लैंडफिल के बजाय सीधे खेतों में पहुँचाते हैं। किसान पारंपरिक गड्ढा खाद बनाने के तरीकों का उपयोग करते हैं, गीले कचरे को गोबर के घोल और जैव-संस्कृतियों के साथ मिलाकर 2-3 महीनों के भीतर जैविक खाद का उत्पादन करते हैं। 1 लाख की आबादी वाला एक शहर प्रतिदिन 10-15 टन गीला कचरा उत्पन्न करता है, जो एक किसान के फ़सल चक्र के लिए प्रतिदिन 3 टन खाद बनाने के लिए पर्याप्त है। अपने खेतों पर निःशुल्क जैविक खाद तक पहुँच, परिवहन और इनपुट लागत में कमी। मिट्टी की सेहत में सुधार और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता में कमी। परिचालन सब्सिडी (टिपिंग शुल्क) पर बचत। अपशिष्ट प्रसंस्करण दक्षता में वृद्धि और मीथेन उत्सर्जन में कमी। लैंडफिल अपशिष्ट और सम्बंधित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी के साथ इसके बहुत से फायदे हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए शहर-किसान भागीदारी (एसडब्ल्यूएम) ने 200 से अधिक किसानों को 2, 300 टन अलग-अलग गीले कचरे की आपूर्ति की, जिससे 600 टन जैविक खाद का उत्पादन हुआ। रासायनिक उर्वरक के उपयोग में 50-60 टन की कमी। खाद बनाने से पहले और बाद में कठोर परीक्षण के माध्यम से मिट्टी की सेहत में सुधार हुआ जर्मनी में वैश्विक स्तर पर सबसे उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों में से एक है, जो एक परिपत्र अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करती है। जैविक कचरे को स्रोत पर अलग किया जाता है और उच्च गुणवत्ता वाले खाद और बायोगैस में परिवर्तित किया जाता है। जापान ने ताकाकुरा खाद बनाने की विधि विकसित की है, जो घरेलू कचरे का उपयोग करके एक विकेन्द्रीकृत खाद बनाने की तकनीक है। यह विधि शहरी और उपनगरीय क्षेत्रों में व्यापक रूप से अपनाई जाती है। स्वीडन ने जैव-चक्र खेती का मॉडल अपनाया है, जहाँ शहरी जैविक कचरे का उपयोग जैव-उर्वरक और बायोगैस बनाने के लिए किया जाता है। सिंगापुर ने जैविक कचरे को टिकाऊ तरीके से प्रबंधित करने के लिए शहरी क्षेत्रों में सामुदायिक स्तर पर खाद बनाने के केंद्र स्थापित किए हैं।

किसानों की खाद की मांग को पूरा करने के लिए शहरी गीले कचरे से खाद बनाने को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन में शामिल करें। विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन: स्थानीय खाद बनाने के समाधानों के लिए शहर-किसान भागीदारी को बढ़ावा दें। खाद बनाने की तकनीक और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मज़बूत करें। जन जागरूकता और बुनियादी ढांचे में निवेश के माध्यम से स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण प्रथाओं को बढ़ाएँ। खेतों पर खाद बनाने के बुनियादी ढांचे के लिए सब्सिडी प्रदान करें। खेतों में सीधे अपशिष्ट वितरण को प्रोत्साहित करके यूएलबी के लिए परिचालन लागत कम करें। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) और शहर-किसान भागीदारी मॉडल भारत की कृषि और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक करोड़ किसानों को समर्थन देने के एनएमएनएफ के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकारी एजेंसियों, यूएलबी और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता है, जिससे कृषि, शहरी शासन और पर्यावरण के लिए जीत-जीत का परिणाम सुनिश्चित हो सके।

डॉ सत्यवान सौरभ

सावधान, कहीं आप भी तो नहीं हो रहे नकली दवाइयों के शिकार?

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर 2024: आज के समाचार पत्रों में प्रमुखता से नकली दवाइयों के जब्ती की खबर छपी है। खबर के अनुसार महाराष्ट्र के ठाणें में जिले में छापेमारी के बाद 1.85 करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त की गईं हैं। बताया कि पिछले कुछ महीनों में भिवंडी के एक गोदाम और मीरा रोड इलाके में एक अन्य प्रतिष्ठान पर छापे मारे गए और ये नकली दवाइयां पकड़ी गई। जांच में पता चला कि आरोपी नकली दवाओं का निर्माण और बिक्री कर रहे थे, और वो निर्माता होने का झूठा दावा कर रहे थे। शिकायत के अनुसार, दवाओं को कई राज्यों में भेजा जा रहा था।

समाचार के अनुसार मुंबई में आयुर्वेद के नाम पर नकली दवा बना रही घरवार फार्मा प्राईवेट लिमिटेड पर एफडीए ने रेड मारी थी। एफडीए ने फर्जी दवा बनाने वाली कंपनी पर छापा मारकर 1 करोड़ 27 लाख रुपये की नकली दवा जब्त की है। वहीं करीब 2 करोड़ 93 लाख 255 रुपये की मशीनों को भी सीज किया है। छापेमारी वसई के गीता गोविंद इंडस्ट्री नवघर के शैलेश इंडस्ट्री के 20 नंबर गली में की गई। कार्रवाई में सामने आया कि कंपनी पिछले करीब 7 सालों से नकली दवाओं का निर्माण कर रही थी। ये कंपनी घरवार फार्मा प्रोडक्ट प्राईवेट लिमिटेड और रूसब फार्मा के नाम से थी। इसका लाइसेंस पंचकुला का है, लेकिन दवा का प्रोडक्शन वसई में शुरू था।

यह तो केवल एक छापा था उसके आलावा महाराष्ट्र के नागपुर, वर्धा, भिवंडी व अंबाजोगाई सहित राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में नकली दवाईयों के आपूर्ति के मामले सामने आ रहे है और दवा आपूर्ति में होने वाले बोगसगिरी का भंडाफोड हुआ है। जिसके पीछे कोई बडा अंतरराज्यिय रैकेट रहने की संभावना है। विशेष उल्लेखनीय यह है कि, विगत 15 माह से किसी न किसी सरकारी अस्पताल में नकली दवाईयों का स्टॉक मिल रहा है और मामले की जांच भी चल रही है। लेकिन इसके बावजूद अब तक प्रशासन के हाथ पूरी तरह से खाली है।

बता दें कि, नागपुर, वर्धा व भिवंडी सहित अब अंबाजोगाई के स्वामी रामानंदा तीर्थ वैद्यकीय महाविद्यालय व अस्पताल में नकली दवाईयों की आपूर्ति होने का मामला सामने आया है। अंबाजोगाई के अस्पताला में एक मरीज का नकली दवा की वजह से रिएक्शन हुई। जिसे लेकर अस्पताल प्रशासन ने अन्न व औषधी प्रशासन के पास शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पता चला कि, नागपुर में भी एजीथ्रोमायसिन की नकली गोलियों की आपूर्ति हुई है। ऐसे में अन्न व औधषी प्रशासन ने इस दवाई के प्रयोग को रुकवाते हुए हॉस्पिटल के स्टॉक की जांच की, तो पता चला कि, अंबाजोगाई के अस्पताल में 25 हजार गोलियों का स्टॉक मिला। साथ ही पता चला कि, एजीथ्रोमायसिन टैबलेट की आपूर्ति का ठेका कोल्हापुर की विशाल इंटरप्राइजेस नामक कंपनी को मिला था और इसी कंपनी ने अंबाजोगाई के स्वामी रामानंदा तीर्थ अस्पताल को दवाईयों की आपूर्ति की थी। साथ ही साथ इसी कंपनी ने नागपुर के सरकारी अस्पताल में भी इस दवा की आपूर्ति की थी और इस कंपनी के खिलाफ नागपुर के अजनी पुलिस थाने में अपराध भी दर्ज है। ऐसे में अब पूरे मामले की सघन जांच की जा रही है। लेकिन आश्चर्य इस बात को लेकर जताया जा रहा है कि, विगत 15 माह से राज्य के अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में उजागर हो रहे इन मामलों के बावजूद अब तक पुलिस तथा अन्न व औषधि प्रशासन विभाग के हाथ पूरी तरह से खाली है।

गौरतलब है कि दवाएं बीमारी के वक्त शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ गंभीर स्थिति में जीवन रक्षक होती हैं। स्वास्थ्य के लिए वरदान समझी जाने वाली यही दवाएं यदि मुनाफाखोरी का जरिया बन जाएं तो सेहत की दुश्मन बन जाती हैं। पिछले सप्ताह दिल्ली पुलिस ने नकली दवाओं के एक बड़े गिरोह को पकड़ा। पुलिस ने आरोपितों के पास से कैंसर की अलग-अलग ब्रांड की नकली दवाएं बरामद कीं। इनमें सात दवाएं विदेशी और दो भारतीय ब्रांड की हैं।

आरोपी कीमोथैरेपी के इंजेक्शन में पचास से सौ रुपये की एंटी फंगल दवा भरकर एक से सवा लाख रुपये में बेच रहे थे। कुछ दिन पहले ही तेलंगाना में औषधि नियंत्रक प्रशासक ने चाक पाउडर से भरी डमी गोलियां बरामद कीं। इसी तरह गाजियाबाद में नकली दवा बनाने वाली एक फैक्ट्री पकड़ी गई थी। देश के अलग-अलग हिस्से से आए दिन गुणवत्ताविहीन और मिलावटी दवाओं के कारोबार से जुड़े मामले प्रकाश में आते रहते हैं।

एक ही मर्ज की बाजार में मिलने वाली अलग-अलग ब्रांड की दवाओं की दक्षता में अंतर होना चिंताजनक है। नकली और मिलावटी दवाएं जहां बीमारी से लड़ने में असरदार नहीं होती हैं, वहीं वे दूसरे रोगों का कारक बनती हैं। इनका सेवन गुर्दे, यकृत, हृदय और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। गुणवत्ताविहीन दवाएं निर्यात के मोर्चे पर देश की साख भी कमजोर करती हैं। लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली ये गतिविधियां अब संगठित अपराध की शक्ल ले चुकी हैं।

दवा निर्माण एक चरणबद्ध प्रक्रिया है। ये नैदानिक परीक्षण के बाद उपभोक्ताओं तक पहुंचती हैं। दवा कंपनियों में प्रयोगशालाएं होती हैं, जहां प्रत्येक चरण का आकलन कर दवा को अंतिम रूप दिया जाता है। भारतीय भेषज संहिता (आइपीसी) और भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अन्य फार्मूले से दवाओं का निर्माण, परीक्षण और संधारण होता है। हर दवा निर्माता कंपनी के लिए तय प्रोटोकाल का पालन अनिवार्य है।

देश में नकली और मिलावटी दवाओं पर रोक लगाने के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 में दंड और जुर्माने का प्रविधान है। इसके अंतर्गत नकली दवाओं से रोगी की मौत या गंभीर चोट पर आजीवन कारावास की सजा है। मिलावटी या बिना लाइसेंस दवा बनाने पर पांच साल की सजा का प्रविधान है।

देश के अलग-अलग राज्यों में 29 दवा परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं। इसके अलावा आठ केंद्रीय लैब भी स्थापित हैं। मिलावटी दवाओं पर रोक लगाने के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। ऐसे मामलों में राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर नियामक एजेंसियों द्वारा कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझ पाना आसान नहीं कि किसी दवा का रासायनिक संयोजन क्या है। मरीजों को दवाओं के बारे में जरूरी और स्पष्ट जानकारी भी नहीं दी जाती।

कई बार तो पर्चे पर लिखी दवा का नाम उच्च शिक्षित व्यक्ति भी नहीं पढ़ पाता। इसके लिए नियामकों द्वारा समय-समय पर चिकित्सकों को दवाओं के नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखने के निर्देश दिए गए हैं। मरीज को लिखी गई दवाओं में किसका क्या काम है, यदि यह जानकारी चिकित्सक द्वारा मरीज को दी जाए तो आपूर्ति तंत्र में घटिया दवाओं की मौजूदगी थमेगी। इससे चिकित्सक-मरीज के बीच भरोसा भी बढ़ेगा।

पिछले साल दवाओं में क्यूआर कोड लगाए जाने की पहल शुरू हुई है। यह सभी दवाओं में अनिवार्य किया जाना चाहिए। इससे दवाओं की कालाबाजारी थमेगी। दवाओं की गुणवत्ता तय करने में फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम काफी मददगार साबित हो सकता है। इसमें दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों का अध्ययन कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण बनाया जाता है। घटिया दवाओं से जुड़े मामलों की जितनी अधिक शिकायतें होंगी, कानूनी शिकंजा उतना ही सख्त होगा। दवा उद्योग में संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए केंद्र सरकार शिकायत प्रणाली को मजबूत कर रही है।

कुछ दिन पहले दवा कंपनियों के लिए यूनिफार्म कोड फार फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिस (यूसीएमपी), 2024 लागू किया गया है। इसके तहत अब दवा कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर शिकायत करने की व्यवस्था देनी होगी। कंपनियां चिकित्सकों को प्रचार के नाम पर उपहार नहीं दे सकेंगी। आयोजन में विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित किए जाने वाले चिकित्सकों को ही आने-जाने एवं ठहरने की सुविधा दी जा सकती है। ऐसे आयोजनों के खर्च का ब्योरा भी यूसीएमपी के पोर्टल पर साझा करना होगा।

यदि फार्मा कंपनियां दवाओं के प्रचार के अनुचित तरीके अपनाती हैं तो सीधे उनके शीर्ष अधिकारी जिम्मेदार होंगे। यूसीएमपी संहिता के एक अन्य प्रविधान के अनुसार एक कंपनी अपनी सालाना बिक्री का सिर्फ दो प्रतिशत नि:शुल्क सैंपल दवाएं बांट सकती है। भारतीय दवा उद्योग दुनिया भर में भरोसे का प्रतीक है। वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति भारत करता है।

एक अनुमान के मुताबिक जल्द ही भारतीय दवा बाजार 60.9 अरब डालर के स्तर को पार कर जाएगा। ऐसे में अपने मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर समय रहते सख्त कार्रवाई करनी होगी। नकली दवाओं को बनाना-बेचना भ्रष्टाचार ही नहीं, मानवीय सेहत के लिए एक बड़ा खतरा भी है। ऐसे में नियामकीय व्यवस्था को मजबूत बनाकर ही नकली और मिलावटी दवाओं से निजात मिलेगी।

अब यह समझने में विशेष कठिनाई नहीं होनी चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था पर घटिया एवं नकली दवाओं का बड़ा असर क्यों होता है। ये दवाएं बीमारियां ठीक करने में कारगर नहीं होतीं और अक्सर लोगों को अधिक समय तक बीमार रखती हैं। कभी-कभी ये जानलेवा भी साबित होती हैं। इससे इलाज का खर्च बढ़ जाता है और कामकाज का नुकसान भी होता है। इससे नौकरी जा सकती है और इलाज के लिए कर्ज भी लेना पड़ जाता है।

जिस देश में इलाज के लिए एक बार अस्पताल में भर्ती होने पर ही देश की बड़ी आबादी की माली हालत खस्ता हो जाती है वहां ऐसी दवाओं की वजह से भारी संख्या में लोग गरीबी के जंजाल में फंस जाते हैं। घटिया और नकली दवाएं किसी भी उम्र के लोगों की जान ले सकती हैं मगर नवजात शिशुओं और बुजुर्गों के लिए ये ज्यादा खतरनाक होती हैं। इनसे लोगों की सेहत को दीर्घकालिक खतरे भी बढ़ जाते हैं जैसे बीमारियों से लड़ने की क्षमता कमजोर होना या दवाओं का रोगाणुओं पर बेअसर होना।

दुनिया में हुए कई अध्ययनों से पता चला है कि घटिया एवं नकली दवाएं किसी भी देश को गहरा नुकसान पहुंचाती हैं मगर भारत में नीति निर्धारकों ने इस बात की भी अनदेखी की है। भारत अगर अगले तीन या चार दशकों में भी मध्य-आय वर्ग वाले देशों की जमात से उठकर उच्च-आय वर्ग वाले देशों की सूची में जगह पाना चाहता है तो उसे अपना रवैया बदलना ही होगा।

अशोक भाटिया

आत्मविश्वास और असफलता: जीवन के विजय पथ के आधार स्तंभ

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर 2024: आत्मविश्वास जीवन की वह अनमोल संपत्ति है, जो किसी एक क्षणिक उपलब्धि या सुखद संयोग का परिणाम नहीं होती। यह निरंतर प्रयास, कठोर परिश्रम और अनगिनत संघर्षों के बीच विकसित होता है। यह जीवन के छोटे-छोटे अनुभवों से पुष्पित होता है और बड़ी उपलब्धियों की ओर अग्रसर करता है। आत्मविश्वास का अंकुर तब फूटता है जब व्यक्ति अपनी सीमाओं को लांघने का साहस करता है और असफलताओं को आत्मसुधार के साधन के रूप में अपनाता है। यही गुण व्यक्ति को न केवल आत्मनिर्भर बनाता है, बल्कि उसे हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ा रहने की ताकत भी प्रदान करता है।

जीवन में सफलता और असफलता, दो ऐसे पहलू हैं जो एक-दूसरे के पूरक हैं। असफलता केवल हमारी त्रुटियों का दर्पण नहीं है, बल्कि यह हमारे प्रयासों को सही दिशा में मोड़ने का अवसर भी देती है। जब कोई व्यक्ति असफल होता है, तो यह उसे आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर प्रदान करती है। असफलता के अनुभव जीवन की सबसे बड़ी पाठशाला है। यह न केवल हमें अपनी कमियों का एहसास कराती है, बल्कि हमें मजबूत बनाकर अगली बार और भी अधिक दृढ़ता से खड़े होने के लिए प्रेरित करती है। असफलता को नकारात्मकता के रूप में देखने की बजाय, इसे सीखने के अवसर के रूप में अपनाना चाहिए। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब महान व्यक्तियों ने अपनी असफलताओं से सबक लिया और सफलता के शिखर पर पहुंचे। थॉमस एडिसन का जीवन इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। एडिसन ने हजारों बार असफल प्रयासों के बाद विद्युत बल्ब का आविष्कार किया। उनका कहना था कि हर असफल प्रयास ने उन्हें यह सिखाया कि कौन-सा तरीका काम नहीं करता। यह सोच न केवल उनकी सफलता का आधार बनी, बल्कि यह सिद्ध करती है कि असफलता, अनुभवों की पाठशाला है।

आत्मविश्वास का निर्माण एक लंबी प्रक्रिया है। यह छोटी-छोटी सफलताओं और संघर्षों के सम्मिलित प्रयासों से निर्मित होता है। जब व्यक्ति अपने प्रयासों की दिशा में निरंतरता और धैर्य बनाए रखता है, तो आत्मविश्वास उसके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा बन जाता है। यह यात्रा संघर्षों से भरी होती है, लेकिन जो व्यक्ति इन संघर्षों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य पर अडिग रहता है, वही अंततः सफलता प्राप्त करता है। जीवन में धैर्य और निरंतरता आत्मविश्वास की नींव होती है। जब व्यक्ति कठिनाइयों के बावजूद प्रयासरत रहता है, तो असफलता भी उसे डिगा नहीं सकती। असफलता के क्षण व्यक्ति की वास्तविक क्षमता का परीक्षण करते हैं। यह वही समय होता है जब व्यक्ति को अपने आत्मविश्वास को और मजबूत करना होता है। इन क्षणों में जो व्यक्ति अपने मनोबल को बनाए रखते हुए आगे बढ़ता है, वही अंततः सफलता के उच्च शिखर पर पहुंचता है।

असफलता, किसी भी प्रयास का अंत नहीं होती, बल्कि यह एक नई शुरुआत का संकेत होती है। यह हमें अपने प्रयासों को नए सिरे से समझने और सुधारने का अवसर देती है। असफलता के बिना सफलता का मूल्य नहीं समझा जा सकता। हर असफलता हमें मजबूत बनाती है और हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने का काम करती है। इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देखना आवश्यक है। यही दृष्टिकोण हमें असफलता को अवसर में बदलने की शक्ति देता है।

इतिहास में जिन महापुरुषों ने असफलताओं को स्वीकार कर उनसे सीख ली, उन्होंने सफलता के ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए, जो आज भी प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। अब्राहम लिंकन, जिन्हें जीवन में अनगिनत असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन अपने अडिग संकल्प और आत्मविश्वास के कारण उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपनी छाप छोड़ी। महात्मा गांधी, जिन्होंने कई बार असफलताओं का सामना किया, लेकिन हर बार अपने आत्मविश्वास और सत्याग्रह के बल पर नई शुरुआत की।

जीवन का सार यह है कि संघर्ष और असफलता, आत्मविश्वास को मजबूत करने के साधन हैं। जो व्यक्ति अपनी असफलताओं को आत्मसात करता है और उन्हें सुधार का माध्यम बनाता है, वह अंततः सफलता प्राप्त करता है। आत्मविश्वास न केवल व्यक्ति को अपने लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करता है, बल्कि उसे मानसिक और भावनात्मक रूप से भी सुदृढ़ बनाता है। यह जीवन की हर चुनौती का सामना करने की ताकत देता है। इसलिए, आत्मविश्वास और असफलता को जीवन का अभिन्न हिस्सा मानकर चलना चाहिए। असफलताओं से डरने या निराश होने के बजाय, हमें उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। असफलताओं के अंधकार में आत्मविश्वास का दीपक ही हमारे मार्ग को प्रकाशित करता है। यही दीपक हमें यह सिखाता है कि गिरने के बाद उठना ही जीवन का असली उद्देश्य है। आत्मविश्वास और असफलताओं से मिली सीख ही हमें जीवन में विजयी बनाती है।

अतः आत्मविश्वास की इस अनवरत यात्रा में असफलताओं को सहायक मानें और उनसे सीखी गई बातों को अपने जीवन में उतारें। आत्मविश्वास, धैर्य और निरंतर प्रयास का यह संपूर्ण मिश्रण ही व्यक्ति को जीवन की कठिनतम चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाता है। यह न केवल हमें हमारे लक्ष्य तक पहुंचाता है, बल्कि हमें आत्मनिर्भर, आत्मसजग और अजेय भी बनाता है। जीवन का हर पल हमें यह अवसर देता है कि हम अपने आत्मविश्वास को और मजबूत करें और असफलताओं को अपनी सफलता की कहानी का हिस्सा बनाएं।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (म.प्र.)

वरिष्ठ पत्रकार प्रसून लतांत डॉ. बीआर आंबेडकर सबाल्टर्न पत्रकारिता अवार्ड से हुए सम्मानित

हेमलता म्हस्के

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (दिल्ली): वंचित समुदायों के अधिकारों की आवाज बुलंद करने के लिए वरिष्ठ पत्रकार और समाजकर्मी प्रसून लतांत को प्रथम डॉक्टर बी आर अंबेडकर सबाल्टर्न जर्नलिज्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवार्ड का उद्देश्य उन पत्रकारों, लेखकों और स्तंभकारों के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है, जो सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक जागृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं और देश में संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री लतांत को यह अवार्ड हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले दैनिक समाचार पत्र टाउन हॉल टाइम्स द्वारा दिया गया। डा आंबेडकर की याद में इस तरह के अवार्ड देने की परंपरा की शुरुआत वरिष्ठ पत्रकार और संपादक सुरेंद्र कुमार ने की है। दिल्ली के राजेंद्र भवन में बाबा साहेब अंबेडकर की पुण्यतिथि पर आयोजित एक जागृत समारोह में को जाने-माने एंकर दारिन शाहिदी सहित ग्लोबल लॉ फोरम के अध्यक्ष प्रभाकरण लिंकन, आमलोगों के हक के लिए संघर्ष करने वाले सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण मांझी और जीएसटी कमिश्नर शक्तिवेल ने प्रदान किया। इन अतिथियों ने इस मौके पर देश के विभिन्न राज्यों के जोखिम मोल लेकर लेखन करने वाले पत्रकारों और लेखकों को भी सम्मानित किया।

इसके पहले इस साल ही राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र जनसत्ता के चीफ रिपोर्टर रहे प्रसून लतांत पत्रकारिता के प्रख्यात शिक्षक और लेखक डा. देवेंदर कौर उप्पल स्मृति पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित किए गए हैं। प्रसून लतांत को यह सम्मान नई दिल्ली स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान में विन्यास प्रकाशन द्वारा कवि घनश्याम की याद में आयोजित एक समारोह में दिया गया। उन्हें पर्यावरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए हिन्दी उर्दू अदबी संगम, नई दिल्ली की ओर से सुंदरलाल बहुगुणा स्मृति सम्मान से भी सम्मानित किया है।

बिहार के भागलपुर में जन्में फिर वहीं से पढ़े लिखे। गांधी विचार में एम ए करने के बाद पत्रकारिता में सक्रिय हुए। अब पत्रकारिता के साथ समाज सेवा भी कर रहे हैं। वे इन दिनों पूरे देश में विधवा प्रथा विरोधी आंदोलन को गति देने में लगे हैं। इसी के साथ पिछले एक दशक से दिल्ली में गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा और विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान के साझे प्रयास से संचालित की जा रही सन्निधि संगोष्ठी के संयोजक मंडल के सदस्य रहे हैं। सन्निधि संगोष्ठी साहित्य के क्षेत्र में युवा रचनाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए बहु चर्चित मंच है। अब तक इस मंच पर पांच सौ से अधिक युवा रचनाकार शिरकत कर चुके हैं। सन्निधि संगोष्ठी हरेक महीने

विभिन्न विधाओं में लेखन करने वाले युवा साहित्यकारों को मंच देती है और साल में दो बार काका साहब कालेलकर और विष्णु प्रभाकर की स्मृति में साहित्य के साथ समाजसेवा, कला, पत्रकारिता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में युवा हस्तियों को सम्मानित किया जाता है। चयन राष्ट्रीय स्तर पर होता आया है।

प्रसून लतांत राष्ट्रीय दैनिक जनसत्ता में 25 साल तक कार्यरत रहे। वे जनसत्ता के लिए शिमला, चंडीगढ़, हरियाणा और दिल्ली में पत्रकारिता करते रहे। इसके बाद भारत सरकार के प्रकाशन विभाग की पत्रिकाओं योजना और आजकल के संपादन विभाग में दो साल तक कार्यरत रहे। जनसत्ता में जाने के पहले गांधी शांति प्रतिष्ठान की पत्रिका गांधी मार्ग में सहायक संपादक रहे। गांधी मार्ग से पहले भागलपुर बिहार में नई बात दैनिक अखबार में पांच साल तक कार्यरत रहे। महात्मा गांधी की कुटिया सेवाग्राम में दो साल तक रहकर गांधी साहित्य का अध्ययन और लेखन किया। इनकी पत्रकारिता महात्मा फुले, गांधी, आंबेडकर के विचारों पर केंद्रित गतिविधियों सहित हाशिए पर पड़े समुदायों के हितों और विभिन्न जायज मुद्दों पर होने वाले आंदोलन के साथ संस्कृति, समाज सेवा, पर्यावरण, साहित्य और बच्चों की परिस्थितियों पर केंद्रित रही है।

प्रसून लतांत की सार्वजनिक जीवन की शुरुआत बिहार में 1974 के छात्र आंदोलन से हुई। उसके बाद से अभी तक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं। इन्होंने बस्तर के जंगलों में आदिवासियों को सशक्त बनाने के अभियान में भाग लिया। चंडीगढ़ की मजदूर बस्तियों के पुनर्वास के लिए और हिमाचल में महिला शिक्षा के लिए चले विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय रहे। शहीद खुदीराम बोस के साथी प्रफुल्ल चंद चाकी पर डाक टिकट जारी करवाने और चंडीगढ़ में मजदूरों के पुनर्वास के साथ हिमाचल प्रदेश में प्रख्यात कथाकार चंद्रधर गुलेरी की स्मृति में कॉलेज खुलवाने में कामयाबी इनकी उपलब्धियों में दर्ज है। इसी के साथ दिल्ली में निदान फाउंडेशन, भागलपुर में अंग मदद फाउंडेशन और अंग जन गण और पुणे में सावित्रीबाई फुले सेवा फाउंडेशन की स्थापना कर खास कर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करते आ रहे हैं। मातृभाषा अंगिका को मान सम्मान दिलाने के लिए आज भी संघर्ष कर रहे हैं।

प्रसून लतांत पिछले चालीस सालों में दर्जनों सम्मान और पुरुस्कार से भी नवाजे जा चुके हैं। इनमें गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा स्वामी प्रणवानंद शांति पुरस्कार, केंद्रीय गांधी स्मारक निधि द्वारा हुसैन रचनात्मक लेखन सम्मान हिमाचल सरकार द्वारा विकास पत्रकारिता अवार्ड, उदयन शर्मा ट्रस्ट द्वारा उदयन शर्मा पत्रकारिता अवार्ड, दस्तक प्रभात द्वारा लोक शिखर सम्मान, बिहार अस्मिता सम्मान, अंग गौरव सम्मान और अंग सपूत सम्मान आदि उल्लेखनीय हैं।

पेपर लीक करने वाले अपराधीक गिरोहों का डाटाबेस बनाये झारखण्ड पुलिस- विजय शंकर नायक

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (रांची): पेपर लीक करने वाले संगठित अपराधीक गिरोहों का वृहद डाटाबेस बनाये झारखण्ड पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई. उपरोक्त बाते आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने आज झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एंव राज्य के पुलिस महानिदेशक, झारखंड को एक पत्र लिख कर कही। इन्होंने य़ह भी कहा कि राज्य निर्माण के बाद जितने भी जेपीएससी/ जेएसएससी के माध्यम से परीक्षा किये गये उसमे बराबर पेपर लिक की घटना हुई जिससे राज्य के छात्र, युवा,नौजवानो का भविष्य खतरे मे पड़ा रहा और सरकार की प्रतिष्ठा भी धूमिल एंव झारखंड राज्य कलंकित हुआ।फ्रे श परिक्षा नही होने के कारण राज्य मे दिन प्रतिदिन छात्र, युवा, बेरोजगार नौजवानो का आक्रोश आये दिन आन्दोलन के माध्यम से निकाल रहे है।

श्री नायक ने आगे कहा कि मंच का मानना है कि राज्य सरकार पेपर लीक करने वाले संगठीत अपराधिक गिरोहों का एक वृहद डाटाबेस झारखंड पुलिस की आर्थिक अपराध ईकाई के माध्यम से बनाने की दिशा मे सकरात्मक ठोस पहल हो। जिसमे पड़ोसी राज्य के मदद से उनके हुलिये से लेकर अन्य जानकारीयां जुटाई जाय। वृहद डाटाबेस को उत्तर प्रदेश, बिहार, ओड़िसा, हरियाणा,बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र जैसे राज्यो से साझा भी किया जाय ताकि ऐसे गिरोहों की सतत निगरानी किया जा सके।

श्री नायक ने आगे यह भी कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड लोक परीक्षा अधिनियम के तहत पेपर लीक मे शामिल अपराधिक गिरोहों की सभी संपत्ति को जब्त किया जाय और ऐसे अपराधियों की फैमली ट्री (वंशावली) बनाकर काली कमाई का लाभ उठाने वाले लोगो पर भी कार्रवाई की जाए साथ ही साथ ऐसे अपराधियों के दादा से पोते तक की आय-व्यय का ब्यौरा निकालते हुए दोषी नाते-रिशतेदारो पर भी चार्ज शीट की जाए और इसमे आजीवन सजा का प्रावधान हो तथा कोचिंग संस्थान के संचालको की भी संदिग्ध भूमिका को केन्द्र मे रखा जाए।

नायक ने यह भी कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षाओं की धांधली मे अगर परीक्षा ऐजेंसी या केन्द्रों की भूमिका सामने आती है तो उनके सभी चल-अचल संपति भी जब्त किए जाए साथ ही परीक्षा पर होने वाले सभी खर्च भी बतौर जुर्माना वसूला जाए और कम्प्युटर आधारित टेस्ट लेने वाली सभी पंजीकृत परीक्षा केंद्रो का भी डाटाबेस तैयार किया जाय तथा एजुकेशनल कंसल्टेंसी का भी डाटाबेस बनाया जाए साथ ही इनलोगो का संपूर्ण ब्यौरा रजिस्टार आफ कंपनीज, जीएसटी आदि से प्राप्त किया जाए।

मांसाहार से ऐसी बीमारियों के आने के संकेत कि रात को बीमार हुए और सुबह खत्म- सन्त उमाकान्त जी महाराज

आज देश में शराब बंद हो जाए तो 50% अपराध और भ्रष्टाचार तुरंत कम हो जाएगा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (बालोद/ छत्तीसगढ़): अपने मुख्य आश्रम उज्जैन से आए हुए, भूत, वर्तमान तथा भविष्य की जानकारी रखने वाले इस वक्त के समर्थ संत सतगुरु, दुःखहर्ता बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बालोद (छ०ग०) में सतसंग सुनाते हुए बताया कि आज कितना जप-तप, पूजा-अनुष्ठान हो रहा है, मंत्र पढ़कर करके देवताओं को लोग खुश करते हैं, लेकिन देवता खुश नहीं हो रहे हैं। नतीजतन न समय पर जाड़ा, न गर्मी और न ही समय पर बरसात हो रही है। सतयुग में यह था कि एक बार लोग बुवाई करके चले आते थे, जब जरूरत पड़ती थी बादल आकर के बरस जाते थे। त्रेता में मांगने पर पानी मिलता था लेकिन अब तो सबके सब नाराज हैं। इसका कारण क्या है? लोग मांस, मछली, अंडा खा लेते हैं और उसी का खून बनता है। क्योंकि जो चीज आदमी खाता है खून उसी का बनता है, वही खून रग- रग में है। जिस शरीर से फूल पत्ती प्रसाद चढ़ाते हैं, हवन, यज्ञ, जप -तप करते हैं, जिससे स्तुति करते हैं, श्लोक बोलते हैं, उसी शरीर में तो गंदा खून है।

आने वाले खराब समय के लिए चेतावनी

बच्चा जब पैदा होता है, शाकाहारी खून होता है। जब मांस, मछली, अंडा जैसी गंदी चीजों को खा लेते हैं तो खून बेमेल हो जाता है, तरह-तरह की

बीमारियां हो जाती हैं। अभी तो ऐसी-ऐसी नई बीमारियां आएंगी कि ये कोरोना आदि सब पीछे हो जाएगा, चट मंगनी, पट ब्याह। जैसे कहते हैं कि रात को बीमारी हुई और सवेरा नहीं देखेंगे, ऐसी- ऐसी बीमारियां आने का संकेत मिल रहा है।

शराब इतनी नापाक है इसको गंगाजल में भी बनाया गया हो तो नहीं पीना चाहिए

आप मांस, मछली, अंडा मत खाना, शराब मत पीना। क्योंकि यह पीने वाली चीज नहीं है।। मुसलमानो की किताबों में लिखा है कि एक कतरा भी शराब का अगर जिस्म पर पड़ जाए तो काट करके फेंक देना चाहिए, इतनी नापाक चीज है। और हिंदुओं के धार्मिक ग्रन्थ में लिखा है कि-

गंगाजल कृत बारुन जाना।
तदपि न संत करें तेहि पाना।।

अर्थात् गंगाजल जैसे जल में भी अगर शराब बनाई गई हो तो भी नहीं पीना चाहिए।

बच्चो का ध्यान रखें कही नशे की लत में पड़कर गाड़ी न लड़ा दें,एक दूसरे के ऊपर शराब की बोतल मार करके न मर जाएँ

शराब के नशे में देखो कितने अपराध हो रहे हैं । अगर शराब आज बंद हो जाए तो 50% अपराध तुरंत कम हो जाएंगे, भ्रष्टाचार और अपराध की यह जननी है। अब तो नशे की गोलियां चल गई, पाउडर चल गए। अगर बच्चों का ध्यान नहीं रखोगे तो इनकी जवानी खत्म हो जाएगी, कोई जरूरी नहीं कि ये बुढ़ापा देख पाएं। आपने इनको पाला-पोसा, पढ़ाया-लिखाया कि दो रोटी बुढ़ापे में हमको खिलाएंगे, हमारी सेवा करेंगे। लेकिन कोई जरूरी नहीं है कि ये सेवा कर ही पाएंगे, कहीं आपसे पहले न चले जाएं, रोगी हो जाएं, कहीं ट्रेन-बस के नीचे कट न जाएं। कहीं ये शराब के नशे में गाड़ी न लड़ा दें, एक दूसरे के ऊपर बोतल मार करके, सिर फोड़ करके खुदा के प्यारे न हो जाएं इसलिए ध्यान रखने की जरूरत रहेगी। बच्चों ये सब बातें इसलिए बता रहा हूं कि आपके जीवन की उपयोगी बातें हैं आपके काम आएंगी।

विक्रमशिला महोत्सव कार्यक्रम मे गायकों से मिली बिहार के कल्चरो की सरहाना

कोलफील्ड मिरर 22 दिसंबर (रमेश कुमार राही) कहलगांव-: विक्रमशिला महोत्सव 2024 में राज्य स्तरीय उद्घाटन सत्र आयोजन के दूसरे दिन भी कलाकारों की समूह ने मंच पर रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति की।

वही कलाकारों द्वारा भोजपुरी जैसी गीतों से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिए। येहे जन्म ली सीता मैया वाल्मीकि जस वेद रचैया। ऐसन आपन वा बिहार ऐसन आपन बा बिहार। छठी मैया जैसी धार्मिक गीतों के माध्यम से कलाकारों के गायन से बिहार के कल्चर को भी दिखाया गया। इस माध्यम से कलाकारों ने बिहार की भी सरहाना की। साथ ही पूजा चटर्जी जैसी पार्श्व बॉलीवुड गायिका मुंबई से पहुंच कर ऐकल एवं सामुहिक गीतों से श्रोतागण झूम उठे।

जबकि विक्रमशिला महोत्सव में लगाए गए स्टॉलों में सामाजिक सुरक्षा कोषांग निशुल्क आयुष्मान कार्ड निशुल्क स्वास्थ्य जांच व द वाईकी भी खरीदारी की। साथ ही मशरूम अगरबत्ती पापड़ दाल मोटे सत्तू इत्यादि की भी स्टोन पर लोगों ने जमकर खरीदारी करते रहे।साथ हीं बच्चों ने भी महोत्सव का भरपूर लुत्फ उठाया।

पीरपैंती कबड्डी व फुटबॉल में बसंतपुर विजयी

कोलफील्ड मिरर 22 दिसंबर (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के मलिकपुर स्थित लक्ष्मीनारायण उच्च माध्यमिक विद्यालय में नेहरू युवा संगठन के द्वारा कबड्डी,फुटबॉल एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालिका वर्ग कबड्डी में पीरपैंती की टीम विजेता बनी व मौलटोला की टीम उप विजेता रही।

जबकि बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में एल एन उच्च विद्यालय विजेता तो मौलटोला की टीम उप विजेता हुआ। साथ हीं फुटबॉल बालक वर्ग में बसंतपुर विजेता व किसनिचक उप विजेता हुआ।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका शिक्षक सर्वोत्तम कुमार शर्मा, अंकज मंडल, मो० बेलाल, राकेश पाण्डेय, हरि ओम, प्रीतम, सहानन्द ने निभाया। पुरस्कार वितरण का कार्य मुखिया अरविंद साह, कुंदन यादव, एफपी आनंद, पूर्व मुखिया हेमा देवी, अनुज पासवान, कपेश कुमार, नवीन, सुजीत दीपेश कुमार ने किया।

संयुक्त निदेशक को कविया ने "ग्रे टु गोल्ड" पुस्तक की प्रति भेंट की

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (शिवगंज): संयुक्त निदेशक रिछपाल सिंह के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के कनिष्ठ सहायक सुरजीत सिंह कविया ने 21वी सदी के युवाओ को समर्पित "ग्रे टु गोल्ड" पुस्तक भेंट की।

शारीरिक शिक्षक धर्मेन्द्र गहलोत ने बताया कि "ग्रे टु गोल्ड" के लेखक एंव हमारे साथी कार्मिक सुरजीत सिंह कविया द्वारा लिखी गई पुस्तक 21वीं सदी की युवा पीढ़ी को समर्पित है की एक प्रति संयुक्त निदेशक रिछपाल सिंह को भेंट की। इस पुस्तक में कविया ने 21 वीं सदी के युवाओं के समक्ष आने वाली चुनौतिया पर प्रकाश डाला है तथा इन चुनौतिया से निपटने के सफल उपाय बताये है। आजकल के बच्चें जो स्मार्टफोन के इस युग अपने लक्ष्य से विमुख हो जाते है। पहले जहां बच्चे खेलकुद तथा पढ़ाई को समय देते थे तथा

शारीरिक एवं मानसिक रूप से क्रियाशील रहते थे वो आज निष्क्रियता का जीवन जी रहे है। तकनीकि के इस बदलते युग में बच्चों को इस पुस्तक के माध्यम से वर्तमान युग में स्पष्टता के साथ अग्रसर होने के कारगर तरीके बताये है। संयुक्त निदेशक ने कविया को धन्यवाद देकर शाबाशी देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। कचिया ने संयुक्त निदेशक को पुस्तक "ग्रे टु गोल्ड के बारे में जानकारी दी जिसपर संयुक्त निदेशक ने कहा कि छात्रहित में यह किताब को कारगर साबित होगी।

इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक परमार, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हरिशंकर मीणा, प्रधानाचार्य हेमलता चौधरी, प्रधानाचार्य महेन्द्र नानीवाल, उपप्रधानाचार्य गुलाब मीणा, संयुक्त निदेशक कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी गिरवर सिंह राव आदि मौजूद थे।

सुरक्षित शनिवार में बच्चों ने सीखे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का उपाय

कोलफील्ड मिरर 22 दिसंबर (प्रतिनिधि) नवगछिया:- नवगछिया अनुमंडल के तिनटंगा दियारा दक्षिणी पंचायत स्थित आदर्श मध्य विद्यालय, तिनटंगा दियारा में संस्कृताचार्य डॉ० शिवनाथ रविदास के निर्देशन में, प्रधान शिक्षक डॉ० पुष्कर कुमार के मार्गदर्शन में, प्रप्रअ नितेश कुमार की अध्यक्षता में, वरीय शिक्षक जयप्रकाश सिन्हा, राजेश कुमार व प्रवीण जायसवाल के प्रबंधन में, विद्यालय अध्यापिका अन्नु कुमारी व चंदा कुमारी के सह-प्रबंधन में सुरक्षित शनिवार मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने माकड्रील से खेल-खेल में जीवंत गतिविधियों व नाटकीय अंदाज में भूमि, जल, वनादि के संरक्षण के उपाय रोचक तरीके से सीखे। संस्कृताचार्य डॉ० शिवनाथ रविदास ने कहा कि भूमि, जल, वनादि का दोहन अगली पीढ़ी के लिए घातक है। वहीं प्रधान शिक्षक डॉ० पुष्कर कुमार ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के छेड़छाड़ से जलवायु प्रभावित हो रही है, जिससे अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, सुखाड़, भूकम्प आदि आपदाएँ आती हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी बच्चों ने बढ़ा-चढ़ाकर हिस्सा लिया। लवली, संध्या, दिव्या, सुहानी, ऋतिका, स्मृति, भीम, कुंदन, आदित्य, आनंद, शुभम, हनी, डेजी, बेबी, नंदिनी, कोमल, पूजा, प्रियांशी आदि की भूमिका सराहनीय रही।

हिंदी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से संगोष्ठी का आयोजन

सीमा रंगा इन्द्रा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसंबर (दिल्ली): हिंदी अकादमी दिल्ली द्वारा महान क्रांतिकारी एवं लेखक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के बलिदान दिवस पर कलम से क्रांति तक -पंडित राम प्रसाद बिस्मिल विषय पर डॉ अमरनाथ अमर की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के वक्ताओं के रूप में डॉ वेद मित्र शुक्ल, अरविंद पथिक, अजय मिश्र एवं रत्नमणि तिवारी द्वारा अपने-अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए गए।हिंदी अकादमी के सचिव संजय कुमार गर्ग की प्रेरणा से आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

अपने अध्यक्षीय भाषण मैं श्री अमरनाथ 'अमर' ने कहा, राम प्रसाद बिस्मिल अंग्रेजों के शोषण और उत्पीड़न तथा अत्याचार के खिलाफ उठ खड़े हुए थे। उनका केवल बलिदान दिवस ही नहीं उनकी जयंती भी मनाई जानी चाहिए।रत्नमणि तिवारी ने रामप्रसाद बिस्मिल की कविताओं को स्मरण करते हुए कहा, ऐ मातृभूमि तेरी जय हो, सदा विजय हो प्रत्येक भक्त तेरा, सुख-शांति-कान्तिमय हो- अज्ञान की निशा में, दुख से भरी दिशा में,संसार के हृदय में तेरी प्रभा उदय हो।

श्री वेद मित्र शुक्ल ने कहा, 30 वर्ष की आयु में ही इस महान क्रांतिकारी को अंग्रेजों द्वारा फांसी दे दी गई। देश ऐसे क्रांतिकारी के बलिदान को हमेशा याद रखेगा। श्री अजय मिश्रा ने कहा, बिस्मिल कविताओं और ग़ज़लों के माध्यम से भी क्रांति का बिगुल फूंकते रहते थे। अरविन्द पथिक ने कहा प.राम प्रसाद बिस्मिल को क्रांतिकारी कार्रवाइयों के अलावा अपनी काव्यात्मक गहराई के लिए भी जाना जाता है। उनके शब्दों ने भारत की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है।अतिथि के रूप में पधारे रेल मंत्रालय

के निदेशक राजभाषा, वरुण कुमार ने पं. राम प्रसाद बिस्मिल की रचनाओं का संगीतमय पाठ करके सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम के अंत में अकादमी के उपसचिव ऋषि कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों, वक्ताओं व संगोष्ठी में उपस्थित छात्रों और शोधर्थियों का धन्यवाद करते हुए कहा, अपनी पीढ़ी के कई युवाओं की तरह प.राम प्रसाद बिस्मिल भी उन कठिनाइयों से परेशान थे जिनका आम भारतीयों को अंग्रेजों के हाथों सामना करना पड़ता था। इसलिए उन्होंने बहुत कम उम्र में ही अपना जीवन देश की आज़ादी की लड़ाई में समर्पित करने का फैसला कर लिया था। और ऐसी ही देशभक्ति की भावना आज़ की युवा पीढ़ी में भी होनी चाहिए।

दर्शकों से भरे सभागार में हिंदी के अनेक लेखक, पत्रकार, शोधार्थी, छात्र और कवि उपस्थित थे, जिनमें प्रो. रवि शर्मा मधुप, डॉ सुधा शर्मा, लता दीक्षित, पंडित साहित्य चंचल, नेहा गुप्ता, कामना झा, पत्रकार असऱ रज़ा, अर्जुन पाण्डेय, सोनी सुगंधा, ब्रह्मदेव शर्मा, रत्नेश अवस्थी, वंदना चौधरी, शैल भदावरी, मनोज श्रीवास्तव, वरुण कुमार, निदेशक राजभाषा, साहित्यकार रजनीकांत शुक्ल आदि शामिल थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

पटना विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (पटना): पटना विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान आईआईटी रुड़की से आई वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ स्मिता झा ने दिया। अपने व्याखान में उन्होंने शोध प्रक्रिया पर विस्तार से बात की। और शोध के व्यावहारिक पक्षों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने देश विदेश में इस समय हो रहे शोधों के बारे में बताया और शोध के नए क्षेत्रों विशेषकर मेडिकल ह्यूमैनिटीज और डिजिटल ह्यूमैनिटीज पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि शोध

छात्रों को अपनी प्राथमिक किताबों को कई बार पढ़ना चाहिए।

उन्होंने ये भी कहा कि पटना विश्वविद्यालय के छात्र भी थोड़ी मेहनत और अवसरों के सही इस्तेमाल से दुनिया भर में नाम कर सकते है। उन्होंने शोध प्रक्रिया के तकनीकी पक्षों के बारे महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने ह्यूमैनिटीज के शोध में इंटरडिसिप्लिनरिटी पर जोर दिया और कहा कि ह्यूमैनिटीज की प्रासंगिकता हमेशा बनी रहेगी।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए सबसे पहले प्रोफेसर स्मिता झा का धन्यवाद दिया और उन्हें बताया कि विभाग के शोधार्थी अभी के सबसे महत्वपूर्ण विषय पर शोध कर रहे हैं। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि ह्यूमैनिटीज चीज़ों को सबसे गंभीर स्तर पर समझने में मदद करता है और लगातार असंवेदनशील हो रही दुनिया में बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम की शुरुआत में विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ स्तुती प्रसाद ने स्वागत भाषण देते हुए प्रोफेसर स्मिता झा का विस्तृत परिचय दिया। कार्यक्रम के शुरुआत में आमंत्रित अतिथि शिक्षिका को बुके और शॉल से देकर सम्मानित किया गया।

युवा राजद नेता डॉ० दीपक के नेतृत्व में चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

कोलफील्ड मिरर 22 दिसंबर (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के सुदूर बाबुपुर दियारा क्षेत्र में युवा राजद नेता व समाजसेवी डॉ० दीपक कुमार के नेतृत्व में पांच सदस्यीय चिकित्सकों की टीम ने मेडिकल कैंप लगाया।

इस दौरान डॉ० आलोक रंजन, डॉ० विक्रांत कुमार, डॉ० शंकर के द्वारा हजारों जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य जांच के उपरांत शुगर, बीपी, सर्दी, खांसी, बुखार, शरीर दर्द, ज्वाइंट पेन संबंधी दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुखिया लक्ष्मण यादव सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वहीं डॉ० दीपक ने बताया कि मेडिकल कैंप के माध्यम से लोगों की सेवा करना ही मेरा परम लक्ष्य है।

मौके पर राजाराम यादव, शिवजी यादव, अभिनंदन यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वहीं उन्होंने आगे भी लोगों को चिकित्सकीय सहयोग की बात कही।

मानव सेवा परिषद व युवा शक्ति ने किया कंबल वितरण

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (धनबाद): जिले में लगातार ठंड बढ़ रही है। ऐसे में असहाय जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटकर उन्हें ठंड से राहत देने के लिए मानव सेवा परिषद व युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को धनबाद के पुराना बाजार स्थित बाबा शनि मंदिर के समीप एकत्रित हुए गरीब गुर्बो के बीच कंबल और नाश्ता का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक राज सिन्हा उपस्थित हुए। जहां सभी ने विधायक राज सिन्हा को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। विधायक ने संस्था के इस प्रयास की सरहाना की। साथ ही कहा कि वे अपने स्तर से भी कंबल वितरण एवं जगह- जगह अलाव की व्यवस्था करेंगे। ताकि लोगों को ठंड से राहत पहुंचाई जा सके। समाजसेवी उदय प्रताप सिंह ने कहा कि उन्होंने इस ठंड में एक हजार कंबल बाँटने का लक्ष्य लिया है साथ ही जिले के उपायुक्त से जिले में अविलम्ब अलाव की व्यवस्था कराने की मांग की। युवा संघर्ष मोर्चा के संस्थापक दिलीप सिंह ने कहा कि युवा संघर्ष मोर्चा व मानव सेवा परिषद के द्वारा कंबल जरूरतमंदों के बीच बांटे गए हैं। मानव सेवा परिषद न सिर्फ कंबल वितरण का कार्य कर रही है बल्कि गरीबों के बीच प्रत्येक शनिवार को भोजन वितरण भी कराती है। शीघ्र ही शहर एवं गांवों में जरूरत मंद लोगों को कंबल वितरण किया जाएगा। कम्बल वितरण कार्यक्रम में विधायक राज सिन्हा, उदय प्रताप सिंह दिलीप सिंह, मानस प्रसून, श्रवण राय, नगेंद्र सिंह, रामानंद सिंह, मिथलेश सिंह, सुमन झा, जीरखन सिंह, निर्भय सिन्हा, राजा तिवारी, परशुराम सिंह, रंजय सिंह, मनोज मालाकार समेत अन्य लोग शामिल थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

संगम

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर 2024: कहते है कि सूरज के साम्राज्य मे भी, कुछ बस्तियां अंधेरों को सहती है। जीन्दगी की किश्ती भी सुख दुःख के दरिया मे अनवरत बहती है। उबड-खाबड, समतल रास्तो में जो मुसाफ़िर अनवरत चलता है, अपनी तकदीर के बागडोर की लगाम स्वयं उसी के हाथों मे रहती है। कौन कहता हैं कश्ती ने हमको सहारा दिया क्योंकि अगर हम ही ना होते तो कश्ती को किनारा भी कहाँ मिलता। हमारे जीवन में खुशियां संपत्ति और साधन से नहीं बल्कि संतोष, संतुष्टि, सकारात्मक सोच व प्रेम आदि से मिलती हैं। हम देखते है कि जिस तरह चंदन का पेड़ अपनी सुगंध चारों और फैलाता है उसी तरह यदि हम सकारात्मक उर्जा और खुशी के साथ रहे तो सदैव हम अच्छा और खुशहाल जीवन जी सकते है। हमारा जीवन किसी न किसी प्रकार से दूसरे से जुड़ा हुआ है। संगम का हिंदी अर्थ दो धाराओं या नदियों के मिलने का स्थान, मिलन, संयोग, मिलाप, मेल, दो नदियों के मिलने की जगह, मुलाक़ात, इकट्ठे होना संग, साथ, दो वस्तुओं के मिलने की क्रिया या भाव आदि-आदि है। हमारा यह जीवन सफलता तथा असफलता का एक संगम स्थल है। हमारे जीवन में अगर समस्याओं से भरा आज है तो समाधान से परिपूर्ण कल है। यह जीवन संयोगों व वियोगों का एक मेला है पर इस मेले में भी आदमी सदा अकेला रहता है। अतः हमारे लिए जरूरी है कि हम सच्चाई का सम्यक साक्षात्कार करे जिससे इस जीवन के जंग में हमारी हार कभी नहीं होगी। कहते है कि मानव अपनी ख़ुद की अहमियत को नही जानता वह थोड़े से कष्ट या दुःख में निराश हो जाते है। मनुष्य जीवन तो दुख सुख का संगम है यह इतिहास बताता है। हमारे जीवन में कितना भी कठिन समय हो रात्रि अंत प्रकाश तो आता है। व्यक्ति के समाज की परिकल्पना परिवार के बगैर अधूरी है, सृष्टि की बुनियाद है परिवार और इसके बिना इंसान की कल्पना अधूरी है। हमारी महत्ता, नए संकल्पों, उसके प्रति जागरुकता और चुनौतियों को रेखांकित करने के लिए है और यही विश्वास हमको कठिन समय में ख़ुद से अन्त विजय पताका फहराता है। संसारी जीवन सचमुच सुख और दुःख का संगम है। आत्मा और शरीर जब तक एक साथ है, तब तक हर चीज का जोड़ा है, वह मोक्ष में कोई द्वंद नही है।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

मिले हैं ऐसे भी चेहरे

मिले हैं ऐसे भी चेहरे, मुझको जिंदगी के सफर में।
बदलती जिनकी मुहब्बत, हर नये शहर में।।
देखा है मेरी निगाहों ने, उनके रंगीन मिजाज को।
मासूम गुलों से खेलते, उनको हर उम्र में ।।
मिले हैं ऐसे भी चेहरे--------------------।।

रहा हूँ मैं भी जमीं पर, कहीं ऐसी ही बस्ती में ।
जहाँ दीवानों को मदहोश, देखा गुलों की मस्ती में।।
गिला नहीं है जिनको, हुरों की जिंदगी लुटकर।
अपनी हस्ती को पवित्र, दिखाते हर नजर में ।।
मिले हैं ऐसे भी चेहरे -------------------------।।

हसीन फूल देखकर, कर लेते हैं मुहब्बत।
करके बदनाम कली को, हो जाते हैं रुखसत।।
शुबहा नहीं किसी को, इनकी दिलकश कलप पर।
बनकै माहताब चमकते हैं, जो हर महफ़िल में।।
मिले हैं ऐसे भी चेहरे-------------------।।

उम्रभर साथ निभाने का, कर लेते हैं इकरार।
खिलौना मानकै औरत का, लूट लेते है करार।।
कोई अफसोस नहीं इनको, अपने नापाक कर्म पर।
बदलते हैं इनके नकाब, हर नयी शिरकत में ।।
मिले हैं ऐसे भी चेहरे------------------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ
जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

कोई उसे भी दर्द से मिलाए

नज़्म-ए-वफा सुनाते-सुनाते मेरे आंसू निकल पड़े,
तोड़ा इस कदर उसने दर्द-ए विरह मे हम जल पड़े।।

मोहब्बत मे पहले वफ़ा कर हसीन स्वप्न दिखाए,
मोहब्बत मे डूबी मैं जब, तो हमें छोड़ चल पड़े।।

एहसास मेरे जगाते हुए वो तो रूह मे मेरी थे बसे,
घायल कर वो मेरी रूह, अपनी राह ही बदल बड़े।।

इस टूटे दिल की अब तक दर्द-ए पीड़ नहीं जाती,
इस दर्द-ए पीड़ कि ना दवा, सोच दर्द से भर पड़े।।

बहलाते अपने मन को अकसर अब यहाॅ से वहाॅ,
मन, मनमानी करे, हम अपनी यादों से ही लड़ पड़े।।

क्यों तोड़ वीना को तड़पता छोड़ा तूने दर्द-ए राह मे
कोई तोड़ उसे दर्द से मिलाए, कह राह हम मोड़ चले।।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र
कोलफील्ड मिरर

लोकतंत्र के मंदिर में अपने प्रतिनिधियों की धक्कामुक्की बाचाबाची देखकर मतदाता, जनता हैरान

संसद में घमासान - शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों- एफआईआर बनाम एफआईआर

बाबासाहेब आंबेडकर मुद्दे पर छिड़ा धमासान धक्का मुक्की से लेकर, पुलिस थाने की दहलीज़ तक पहुंचा- मतदाता दंग उनका भ्रम भंग-एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र जिसके बारे में पूरी दुनियाँ चर्चा करती है। दूसरी ओर भारत का संविधान जो हमारे लिए पूज्यनीय है, परंतु इसके ऊपर ही संसद में चर्चा पर घमासान मचा हुआ है। दरअसल संसद के ऊपरी सदन में माननीय गृहमंत्री ने संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कुछ ऐसा जुमला बोला कि विपक्ष ने उसे हाथों-हाथ लपक लिया, उसे मुद्दा बनाकर गृहमंत्री के पद छोड़नें की मांग तक की बात बना दी जिसके बचाव में माननीय पीएम सहित अनेक मंत्री सामने आए व गृहमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहां की उसके बयान को एआई की मदद से तोड़ मरोड़ कर एक अंश को प्रस्तुत किया गया है जिसपर दो दिनों से घमासान चल रहा है, परंतु गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 का दिन संसद क़े काला दिवस के रूप में माना जा सकता है, जहां शाब्दिक घमासान ने धक्का मुकी का रूप ले लिया, जिसमें दो सांसद महोदय घायल हो गए हैं व अस्पताल में भर्ती है, तथा दोनों प्रमुख पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ़ पुलिसथाने में एफआईआर दर्ज करा दी है सताधारी पार्टी ने नए आईपीसी कानून की धारा 115 117 125 131 351 3(5) तो विपक्षी बड़ी पार्टी ने 114 115 116 117 129 130 131 133 धाराओं के अंतर्गत सांसद मार्ग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की है जो मैंने एफआईआर के लिए दी गई पांच पुष्ठों की कॉपी देखी उसमें करीब 15 संसद सदस्यों के हस्ताक्षर भी हैं, जो मैंने अपने 40 वर्षों के स्तंभकार लेखन के करियर में शायद पहली बार ही यह देखा हूं, क्योंकि लोकतंत्र के मंदिर में अपने प्रतिनिधियों की धक्कामुकी बाचाबाची देखकर मतदाता, जनता हैरान है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, संसद में घमासान शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों एफआईआर बनाम एफआईआर।

साथियों बात अगर हम गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 को संसद परिक्षेत्र में धक्कामुक्की करें तो, बाबासाहेब आंबेडकर से संबंधित मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों ने गुरुवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और इस दौरान उनकी कथित तौर पर धक्का-मुक्की भी हुई। सत्ताधारी पार्टी का आरोप है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धक्का-मुक्की की जिस वजह से उसके बुजुर्ग सांसद प्रताप सारंगी चोटिल हुए। सारंगी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि पार्टी मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत भी दर्ज कराई है। कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, गृह मंत्री ने संसद में बाबासाहेब का अपमान किया है। आज बाबासाहेब के अपमान के खिलाफ संसद परिसर में इंडिया गठबंधन के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। जब इंडिया गठबंधन के सांसद मकर द्वार पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद पार्टी के सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष और नेता विपक्ष के साथ धक्का-मुक्की और बदसलूकी की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष को चोट भी आई है सत्ताधारी पार्टी की इस गुंडागर्दी के खिलाफ आज कांग्रेस के सांसदों ने संसद मार्ग स्थित पुलिस थाने में बदसलूकी करने वाले सांसदों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।लोकसभा स्पीकर को भी लिखा पत्र इसके अलावा कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि बीजेपी के तीन सांसदों ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की की, जो न सिर्फ कांग्रेस नेता की गरिमा पर हमला है, बल्कि संसद की लोकतांत्रिक भावना के विपरीत भी है। उन्होंने बिरला से आग्रह किया कि इस मामले में वह उचित कार्रवाई करें। कांग्रेस सांसदों ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि आप इस मामले को पूरी गंभीरता से लेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे।

साथियों बात अगर हम इस धक्कामुक्की का मामला पुलिस थाने की दहलीज पर पहुंचने पर एफआईआर बनाम एफआईआर की करें तो, संसद भवन में गुरुवार को हुई धक्का-मुक्की के बाद लोकसभा सदस्य अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज ने नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।इस मामले में नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से भी शिकायतें की हैं।संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से कहा कि के द्वारा शारीरिक हमला और उकसाने के लिए उनके खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि एनडीए के सांसद शांतिपूर्ण तरीके से कांग्रेस के झूठ के प्रोपेगेंडा को बेनकाब कर रहे थे और उनसे माफी की मांग कर रहे थे। उसी समय राहुल गांधी अपने इंडी गठबंधन के सांसदों के साथ आए और तय रास्ते से न जाकर एनडीए के सांसदों के बीच आ गए। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों को उकसाया भी और दुर्भावनापूर्ण रवैये के साथ आगे बढ़े। राहुल गांधी के खिलाफ उन्होंने बीएनएस की धारा 109, 115, 117, 125, 131 और 351 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। इसमें 109 हत्या का प्रयास और 117 स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाने का मामला है। दूसरी तरफ, मणिपुर से भाजपा की महिला राज्यसभा सांसद एस. फांगनोन कोन्याक ने राहुल गांधी पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। उन्होंने सभापति को पत्र लिखकर राहुल गांधी बताया कि वह बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए अत्याचारों के विरोध में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन में भाग ले रही थीं, तभी यह घटना हुई। कोन्याक ने चिट्ठी में बताया, मैं मकर द्वार की सीढ़ियों के नीचे हाथ में तख्ती लेकर खड़ी थी। सुरक्षाकर्मियों ने वहां घेराबंदी कर दूसरे दलों के सांसदों के प्रवेश के लिए एक रास्ता बनाया हुआ था। उसी समय राहुल गांधी अपनी पार्टी के अन्य सांसदों के साथ मेरे सामने आ गए, जबकि उनके लिए अलग रास्ता बनाया हुआ था। उन्होंने ऊंची आवाज में मेरे साथ दुर्व्यवहार किया और वह मेरे इतने करीब थे कि एक महिला सदस्य होने के नाते मैं बहुत असहज महसूस कर रही थी। कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दर्ज कराई शिकायतसंसद भवन परिसर में हुई हाथापाई को लेकर कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस ने बीजेपी सांसदों पर अध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। इसके अलावा कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि बीजेपी के तीन सांसदों ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की की। कांग्रेस ने स्पीकर से उचित कार्रवाई की मांग की।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संसद में घमासान - शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों- एफआईआर बनाम एफआईआर लोकतंत्र के मंदिर में अपने प्रतिनिधियों की धक्कामुक्की बाचाबाची देखकर मतदाता, जनता हैरान.बाबासाहेब आंबेडकर मुद्दे पर छिड़ा धमासान धक्का मुक्की से लेकर, पुलिस थाने की दहलीज़ तक पहुंचा-मतदाता दंग उनका भ्रम भंग|

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
अंतरराष्ट्रीय
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

साइबर क्राइम: एक बढ़ती हुई समस्या

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर 2024: आज के डिजिटल युग में जब हम इंटरनेट का अधिकतम उपयोग कर रहे हैं, तब साइबर क्राइम (Cybercrime) एक गंभीर और तेज़ी से बढ़ती हुई समस्या बनकर उभर रही है। साइबर क्राइम वह अपराध होते हैं, जो कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी डिजिटल तकनीकों का दुरुपयोग करके किए जाते हैं। इन अपराधों में व्यक्तिगत जानकारी की चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी, हैकिंग, साइबर बुलिंग, और साइबर आतंकवाद जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। साइबर क्राइम के बढ़ते प्रभाव ने न केवल व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित किया है, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर असर डाला है।

साइबर क्राइम के प्रकार

1. डेटा चोरी और पहचान की चोरी (Data Theft and Identity Theft):
यह सबसे सामान्य प्रकार का साइबर क्राइम है। इसमें अपराधी इंटरनेट के माध्यम से लोगों की व्यक्तिगत जानकारी, जैसे बैंक खाते की जानकारी, क्रेडिट कार्ड विवरण, और पासवर्ड चुराते हैं। इस चोरी का उपयोग वे वित्तीय धोखाधड़ी करने या पहचान की चोरी करने के लिए करते हैं।

2. ऑनलाइन धोखाधड़ी (Online Fraud):
यह अपराध भी बढ़ता जा रहा है, जिसमें लोगों को फर्जी वेबसाइट्स और ईमेल के जरिए ठगा जाता है। अपराधी किसी का खाता खोलने के लिए झूठे ऑफर देते हैं या फर्जी लॉटरी जीतने का दावा करते हैं, ताकि वे उनका पैसा और व्यक्तिगत जानकारी चुरा सकें।

3. हैकिंग (Hacking):
हैकिंग एक ऐसा अपराध है जिसमें किसी व्यक्ति या संस्था के कंप्यूटर सिस्टम में अवैध तरीके से घुसपैठ की जाती है। हैकर्स सरकारी या निजी संस्थानों के डेटा को चुराने, भ्रष्ट करने या उनका गलत उपयोग करने के लिए हैक करते हैं।

4. साइबर बुलिंग (Cyberbullying):
इंटरनेट पर दूसरों को परेशान करना, धमकाना या अपमानित करना साइबर बुलिंग कहलाता है। सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्म्स पर यह बहुत सामान्य हो गया है, खासकर युवाओं के बीच। इससे मानसिक तनाव और आत्महत्या तक की घटनाएँ बढ़ रही हैं।

5. साइबर आतंकवाद (Cyber Terrorism):
साइबर आतंकवाद एक और गंभीर खतरा है, जिसमें आतंकवादी संगठन इंटरनेट का उपयोग करके सरकारी संस्थाओं या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हैं। यह देश की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के लिए खतरे का कारण बन सकता है।

साइबर क्राइम के प्रभाव

साइबर क्राइम के प्रभाव व्यक्ति, समाज और राष्ट्र पर गहरे और दीर्घकालिक होते हैं। व्यक्तिगत स्तर पर, इससे वित्तीय नुकसान, मानसिक तनाव, और पहचान की चोरी जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इससे समाज में असुरक्षा की भावना पैदा होती है और लोग अपने व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित रखने के लिए चिंतित रहते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, साइबर क्राइम से सुरक्षा संबंधी खतरे उत्पन्न होते हैं, खासकर यदि सरकारी या सैन्य डेटा से छेड़छाड़ होती है।

साइबर क्राइम से बचाव

साइबर क्राइम से बचाव के लिए हमें अपनी डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना जरूरी है। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

1. सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग:
हमेशा मजबूत और अद्वितीय पासवर्ड का उपयोग करें। पासवर्ड को समय-समय पर बदलना और दो-चरणीय प्रमाणीकरण (Two-Factor Authentication) का उपयोग करना चाहिए।

2. सॉफ़्टवेयर और एंटीवायरस अपडेट रखें:
अपने कंप्यूटर और मोबाइल डिवाइस पर सभी सुरक्षा अपडेट और एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट रखें। यह वायरस और अन्य खतरों से बचाव करने में मदद करता है।

3. सामाजिक मीडिया पर सतर्कता:
सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर निजी जानकारी साझा करने में सतर्क रहें। अपरिचित व्यक्तियों से व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें।

4. ऑनलाइन लेन-देन में सतर्कता:
ऑनलाइन शॉपिंग या बैंकिंग करते समय, सुनिश्चित करें कि वेबसाइट सुरक्षित है (https://) और प्रमाणीकरण का पालन करती है।

5. साइबर सुरक्षा शिक्षा:
आम जनता को साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करने के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों और सेमिनारों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके जरिए लोग समझ सकते हैं कि किस प्रकार के अपराधों से बचाव किया जा सकता है।

निष्कर्ष

साइबर क्राइम एक गंभीर और बढ़ती हुई समस्या है, जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही है। इसके बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, साइबर सुरक्षा के उपायों को अपनाना हर नागरिक और संस्था की जिम्मेदारी है। यह आवश्यक है कि हम डिजिटल दुनिया में सतर्क रहें, ताकि हम अपने व्यक्तिगत डेटा और समाज को सुरक्षित रख सकें। सरकारों और संगठनों को भी साइबर सुरक्षा की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि साइबर अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जा सके और डिजिटल दुनिया को सुरक्षित बनाया जा सके।

मुकेश कुमार बिस्सा
जैसलमेर

सरकारी दक्षता विभाग: आर्थिक बचत और प्रगति की नई परिभाषा

कोलफील्ड मिरर 22 दिसम्बर 2024: सरकार का कुशल प्रबंधन और संसाधनों का सही उपयोग किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। आज जब पूरी दुनिया आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, तब आर्थिक स्थिरता और कुशल शासन के लिए नए विचारों और रणनीतियों की आवश्यकता और भी प्रबल हो गई है। अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में 'DOGE (डोज़)' (डी.ओ.जी.ई. - डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी- सरकारी दक्षता विभाग) की परिकल्पना एक ऐसी ही क्रांतिकारी सोच का परिणाम है, जिसका उद्देश्य है सरकार की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, कम खर्चीला और पारदर्शी बनाना। इसके तहत एलन मस्क और विवेक रामास्वामी जैसे दूरदर्शी और अनुभवी व्यक्तित्वों को शामिल करना इस बात को दर्शाता है कि इस अभियान की नींव गहरी सोच और तकनीकी दक्षता पर आधारित है। मस्क, जो टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के जरिए तकनीकी क्रांति का चेहरा बने हैं, और विवेक रामास्वामी, जो एक सफल उद्यमी और विचारक हैं, दोनों ही इस बात के प्रतीक हैं कि नवाचार और प्रबंधन का मेल किसी भी सरकारी व्यवस्था को नया आयाम दे सकता है। यह पहल न केवल अमेरिका बल्कि हर उस राष्ट्र के लिए प्रेरणा है, जो कुशल शासन और आर्थिक स्थिरता के साथ प्रगति की राह पर चलना चाहता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान यह वादा किया था कि उनकी सरकार "छोटी सरकार, बड़े परिणाम" के सिद्धांत पर काम करेगी। उनके अनुसार, एक छोटी लेकिन प्रभावी सरकार न केवल खर्चों में कटौती कर सकती है, बल्कि जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी ला सकती है। डोज़ की यह पहल अस्थायी एजेंसी के तौर पर कार्य करेगी, जिसका उद्देश्य सरकारी खर्चों का विश्लेषण करना, अनावश्यक व्यय की पहचान करना, और संसाधनों का कुशलता से प्रबंधन करना है। हालांकि इसे कानूनी अधिकार नहीं दिया गया है, लेकिन इसका लक्ष्य प्रशासन को दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करना है। यह विचार विशेष रूप से उन देशों के लिए उपयोगी हो सकता है, जहां सरकारी खर्चों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी है।

भारत जैसे देश में, जहां लाखों करोड़ रुपये का वार्षिक बजट विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं में खर्च किया जाता है, डोज़ जैसा मॉडल अत्यधिक प्रासंगिक हो सकता है। सरकारी योजनाओं में अक्सर "दोहरे कार्य" का दुष्प्रभाव देखने को मिलता है, जहां एक ही प्रकार के कार्यों के लिए कई मंत्रालय और एजेंसियां काम करती हैं। यह दोहराव न केवल संसाधनों का अपव्यय करता है, बल्कि प्रशासनिक जटिलताओं को भी बढ़ाता है। अगर भारत में भी एक "सरकारी दक्षता विभाग" की स्थापना की जाए, तो यह नीतियों की समीक्षा, खर्चों की पारदर्शी रिपोर्टिंग, और अनावश्यक खर्चों को खत्म करने में अहम भूमिका निभा सकता है। सरकारी खर्चों की समीक्षा और फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि बचाई गई राशि का उपयोग जनता के कल्याण के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि भारत अपने कुल बजट का केवल 5% भी बचा ले, तो यह लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये के बराबर होगा। इतनी बड़ी राशि से गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है, नई स्कूल और अस्पतालों का निर्माण संभव है, और डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाया जा सकता है। यह पहल देश के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में विकास की गति को कई गुना तेज कर सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप के "छोटी सरकार, बड़े परिणाम" के सिद्धांत में एक और महत्वपूर्ण संदेश छिपा हुआ है। उनका मानना है कि सरकार का कार्य नीतियां बनाना और उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होना चाहिए, न कि हर छोटे-बड़े कार्य को अपने हाथ में लेना। यदि सरकारी एजेंसियां मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दें, तो न केवल काम की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि लागत में भी कमी आएगी। यह दृष्टिकोण भारत जैसे विकासशील देश के लिए अत्यधिक उपयुक्त है, जहां आज भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। सरकारी खर्चों में सुधार लाने में तकनीकी दक्षता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से योजनाओं की निगरानी, उनके परिणामों का आकलन, और खर्चों की हर गतिविधि का विश्लेषण किया जा सकता है। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा। अमेरिका में इसी प्रकार की तकनीकी दक्षता का उपयोग कर सरकारी परियोजनाओं की लागत में कटौती की गई है। भारत भी इसी दिशा में आगे बढ़कर अपनी सरकारी प्रणाली को आधुनिक बना सकता है।

भारत जैसे देशों के लिए, जहां संसाधनों की कमी नहीं बल्कि उनके प्रबंधन में सुधार की आवश्यकता है, इस प्रकार के मॉडल से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। उदाहरण के तौर पर, जनधन योजना और आधार के माध्यम से सब्सिडी का सीधा हस्तांतरण एक सफल कदम साबित हुआ है, जिसने भ्रष्टाचार को कम किया और सरकारी खर्चों को कुशल बनाया। यदि इसी प्रकार की तकनीकी दक्षता अन्य सरकारी योजनाओं में लागू की जाए, तो विकास की प्रक्रिया और अधिक तेज हो सकती है। सरकारी खर्चों की दक्षता केवल आर्थिक स्थिरता का साधन नहीं है, बल्कि यह शासन की जवाबदेही और जनता के विश्वास को भी मजबूत बनाता है। जब नागरिक यह देखते हैं कि उनका कर (टैक्स) सही दिशा में और सही उद्देश्य के लिए उपयोग हो रहा है, तो सरकार और जनता के बीच का विश्वास और भी गहरा हो जाता है। इसके साथ ही, देश के आर्थिक ढांचे में सुधार होने से विदेशी निवेशकों का विश्वास भी बढ़ता है, जो किसी भी देश की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। डोनाल्ड ट्रंप की डोज़ पहल केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है। यह एक वैश्विक संदेश देती है कि सरकारें कैसे कम खर्च में अधिक प्रभावी हो सकती हैं। यह पहल भारत जैसे विकासशील देशों के लिए भी एक सबक है। आज समय की मांग है कि भारत भी "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" के सिद्धांत को अपनाए। सरकारी खर्चों की समीक्षा, पारदर्शिता की गारंटी, और संसाधनों का कुशल प्रबंधन न केवल जनता की समस्याओं को सुलझाने में मदद करेगा, बल्कि देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में भी योगदान देगा।

एक कुशल, पारदर्शी और जिम्मेदार प्रशासन ही विकास की असली कुंजी है। जब सरकार अपने कामकाज में "सादा जीवन, उच्च विचार" की नीति को अपनाएगी, तभी देश के विकास की गति तेज होगी। सरकारी खर्चों में सुधार का मार्ग केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक नई सोच और दिशा की ओर भी मार्गदर्शन करता है। भारत को इस प्रक्रिया को अपनाकर अपने शासन तंत्र को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, और कुशल बनाना चाहिए। यह बदलाव न केवल वर्तमान समस्याओं का समाधान करेगा, बल्कि भविष्य के लिए मजबूत नींव भी रखेगा। कुशल प्रशासन और संसाधनों के सही उपयोग से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। यह समय नई सोच और रणनीतियों के साथ उज्जवल भविष्य की ओर कदम बढ़ाने का है। परिवर्तन का यह दौर भारत के लिए प्रेरणादायक है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सशक्त भारत की नींव रखेगा।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (म.प्र.)